भीलवाड़ा,शुक्रवार,15,नवम्बर, 2024

नमस्ते राजस्थान

RNI NO. RAJHIN/2016/74127

वर्ष : 09, अंक: 18 | E-Mail: namasterajasthan11@gmail.com, nrnews100@gmail.com | भीलवाड़ा संस्करण | पृष्ठ 08 | मूल्य 4 रुपए | हिन्दी साप्ताहिक समाचार-पत्र | मो. 9214417111, 8005910698

अवैध कॉलोनी पर कब रोक लगेगी भूमाफियाओ के आगे प्रशासन नतमस्तक है

जिस जगह का स्टे है वहाँ पर कार्य चालु हुआ पालिका प्रशासन क्यू छुप बैठा है

कोलोनी काटने वाले सेठ ने सडक की जमीन छोटी कर फिट पर कमाई कर रहे हैं भष्ट्राचारी अधिकारी

अवैध कॉलोनी स्वीकृत करने वाले वरिष्ठ नगर नियोजन व ईओ को निलंबित करावे जांच से भष्टाचार उजागर हो जाएगा..

नमस्ते राजस्थान

शिवगंज पालिका प्रशासन की लापरवाह का नतीजा शहर की जनता-जनार्दन भुगत रही है माननीय हाईकोर्ट उच्च न्यायालय ने स्टे दिया फिर भी पालिका प्रशासन कार्य चालु करवा दिया है वह शहर के बड़े भूमाफियाओ ने सड़कों को बंद करना चालू कर दिया क्योंकि नगर पालिका में धन देकर कुछ भी करवा दो सब कुछ चलता है क्योंकि पूर्व अधिशाषी अधिकारी डूडी ने यह फजीर्वाडा करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है क्योंकि इन्होंने भ्रष्टाचार की श्रम सीमा पार करके इस जमीन पर पहले फ्लैट बन रहे थे बड़े-बड़े टावर पर उसे भूमाफिया का जी नहीं भर रहा था अब उन्होंने इस जमीन पर प्लाट काटकर लोगों के साथ धोखा कर रहे हैं क्योंकि इन्होंने जो कॉलोनी काटी गई है उसे कॉलोनी के पास की मिलान सड़कों को ही बंद कर दिया क्योंकि पहले जमीन में साइड बैक 15 मीटर छोड़ी हुई थी पर सरकार ने फजीर्वाड़ा करवाकर पास की कॉलोनी करण नगर व महावीर कॉलोनी की मिलान सड़कों को बंद कर दिया क्योंकि उन्होंने धन के आगे सब नतमस्तक है अधिकारियों ने यह नहीं सोचा कि पास की कॉलोनी को वाले लोगों को इधर से उधर जाना होगा तब कितना किलोमीटर का चक्कर काटना पड़ेगा किसको क्या पड़ी है जमीन मालिक व कालोनी काटने वाले भूमाफियाओं ने सिर्फ अपनी जेब भरने के अलावा कुछ नहीं सोचा इन्होंने इसके आगे जो टावर लगे हुए उसके नीचे भी भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष के नाम के दो बड़े टुकड़े काटे हुए उसमें भी इन्होंने मिलन सड़क बंद कर दी वह टावर के नीचे प्लाट काट कर बेच दिए क्यों जब कभी टावर नीचे गिरेगा तो कितने लोगों की जान जाएगी इसका जिम्मेदार कौन पर उन्होंने नहीं सोचा और टावर की रेडिएशन से कितने लोगों को बीमारी फैलेगी उसका क्या होगा पैसे तो उन्होंने खुद के बंगलो के पीछे जो सरकारी जमीन पड़ी है उस पर भी कब्जा करना चालू कर दिया तो यह दूसरी जमीनों को क्या छोड़ेंगे इस कॉलोनी में फ्लैट काटे गए थे तब टाउन पॉलिसी के अनुसार 60 फीट 40फिट होनी चाहिए थी पर इन्होंने कोई नहीं छोड़ा अब यह डिवाइडर लगाकर बीच में पोल खड़े करके 10 फीट इधर 10 फीट उधर की सड़क बनाएंगे तो गाड़ियां निकलेगी वह गाड़ी आ जाएगी कहां पर क्योंकि इन लोगों को तो धन चाहिए इसमें जो सुविधा मिल रही है ओपन लैण्ड मोबाइल टावर विद्युत टावर पानी टंकी फैसिलिटी इनफॉर्मल पार्किंग सहित सभी योजना को अधिकारी पहले ही बेचकर खा जाते हैं जोधपुर में बैठे वरिष्ठ नगर नियोजन पहले बिक जाते हैं वही इंसानों का नाश कर देते तो जनता का क्या हाल होती होगी वह भूमाफियाओ व अधिकारीओ की माफिया गिरी से शिवगंज शहर का नाश कर दिया इन लोगों ने क्योंकि इन लोगों को धन के आगे कुछ नहीं चलता इस कॉलोनी करण नगर की सभी कॉलोनी की जांच करवाई जाए तो ओपन लैंणड फैसिलिटी मोबाइल टावर सहित जो भी सरकारी जमीने पड़ी है उस पर भी ईन भूमाफियाओ ने कब्जा करके बेच दिया क्योंकि इनको धन चाहिए इसके अलावा कोई लेना-देना नहीं आज जब मौके पर गए तब पता चला कि उन्होंने साइड की सड़के भी 10-10 फीट की ही छोड़ी है और विद्युत पोल खड़े कर दिए क्योंकि इन्होंने पास में पड़ी ओपन लैंणड भी अपने अंदर बता देंगे वह करण नगर फर्स्ट पार्टी है जो 32 .126 फिट ओपन लैणड जमीन है वह पास में हर कॉलोनी में अलग-अलग ओपन लैण्ड पड़ी हुई है क्योंकि जमीन मालिक ने एक ही भूमाफिया को अलग-अलग टुकड़ों में जमीन बेचकर आवास योजना खड़ी करवा दिए जो नियमों के विपरीत है पर कुआँ का रेडिएशन 15 मीटर होता है पर इन्होंने नहीं छोड़ा 1 फीट भी कुआँ का रेडिएशन भी छोड़ना आवश्यक है इस कॉलोनी के अंदर भी एक बड़ा कुआं है उसके अंदर ही यह लोग प्लाट काटकर बेच रहे है कब स्थानीय प्रशासन इन भूमाफियाओ के विरुद्ध कार्रवाई करेगा सरकारी जमीनों पर कब्जा करने वालों के विरुद्ध कब कार्रवाई करेंगे समझ में नहीं आता यह अधिकारी सरकार के तनखाह लेते है या ईन भूमाफियाओ से यह चलाते है सरकार

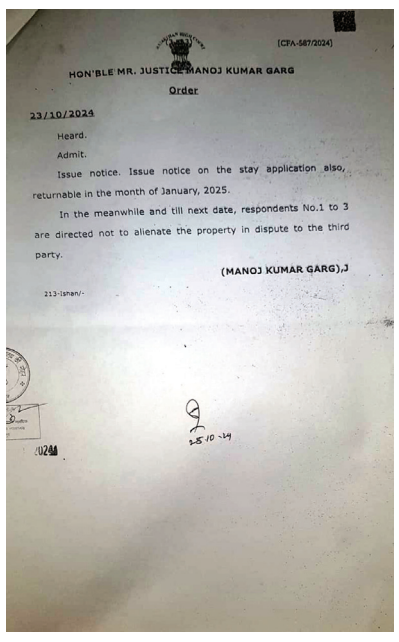
HON'BLE MR. JUSTICE MANOJ KUMAR GARG

Order

23/10/2024

Heard.

Admit.

Issue notice. Issue notice on the stay application also, returnable in the month of January, 2025.

In the meanwhile and till next date, respondents No.1 to 3 are directed not to alienate the property in dispute to the third party.

(MANOJ KUMAR GARG),J

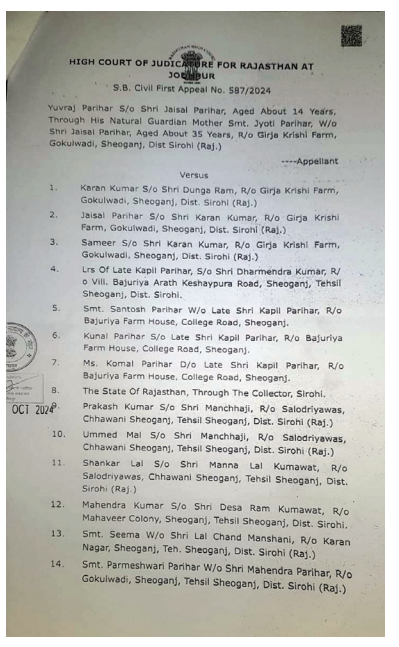
HIGH COURT OF JUDICATURE FOR RAJASTHAN AT JODHPUR

S.B. Civil First Appeal No. 587/2024

Yuvraj Parihar S/o Shri Jaisal Parihar, Aged About 14 Years, Through His Natural Guardian Mother Smt. Jyoti Parihar, W/o Shri Jaisal Parihar, Aged About 35 Years, R/o Girja Krishi Farm, Gokulwadi, Sheoganj, Dist Sirohi (Raj.)

----Appellant

Versus

1. Karan Kumar S/o Shri Dunga Ram, R/o Girja Krishi Farm, Gokulwadi, Sheoganj, Dist. Sirohi (Raj.)
2. Jaisal Parihar S/o Shri Karan Kumar, R/o Girja Krishi Farm, Gokulwadi, Sheoganj, Dist. Sirohi (Raj.)
3. Sameer S/o Shri Karan Kumar, R/o Girja Krishi Farm, Gokulwadi, Sheoganj, Dist. Sirohi (Raj.)
4. Lrs Of Late Kapil Parihar, S/o Shri Dharmendra Kumar, R/o Vill. Bajuriya Arath Keshaypura Road, Sheoganj, Tehsil Sheoganj, Dist. Sirohi.
5. Smt. Santosh Parihar W/o Late Shri Kapil Parihar, R/o Bajuriya Farm House, College Road, Sheoganj.
6. Kunal Parihar S/o Late Shri Kapil Parihar, R/o Bajuriya Farm House, College Road, Sheoganj.
7. Ms. Komal Parihar D/o Late Shri Kapil Parihar, R/o Bajuriya Farm House, College Road, Sheoganj.
8. The State Of Rajasthan, Through The Collector, Sirohi.
9. Prakash Kumar S/o Shri Manchhaji, R/o Salodriyawas, Chhawani Sheoganj, Tehsil Sheoganj, Dist. Sirohi (Raj.)
10. Ummed Mal S/o Shri Manchhaji, R/o Salodriyawas, Chhawani Sheoganj, Tehsil Sheoganj, Dist. Sirohi (Raj.)
11. Shankar Lal S/o Shri Manna Lal Kumawat, R/o Salodriyawas, Chhawani Sheoganj, Tehsil Sheoganj, Dist. Sirohi (Raj.)
12. Mahendra Kumar S/o Shri Desa Ram Kumawat, R/o Mahaveer Colony, Sheoganj, Tehsil Sheoganj, Dist. Sirohi.
13. Smt. Seema W/o Shri Lal Chand Manshani, R/o Karan Nagar, Sheoganj, Teh. Sheoganj, Dist. Sirohi (Raj.)
14. Smt. Parmeshwari Parihar W/o Shri Mahendra Parihar, R/o Gokulwadi, Sheoganj, Tehsil Sheoganj, Dist. Sirohi (Raj.)

OCT 2024

इनका क्या कहना है

शिवगंज नगर पालिका क्षेत्र के करण नगर व महावीर कॉलोनी के बीच में काटी गई कॉलोनी की मिलान सड़कों को बेचकर भूमाफियाओ ने बडा पेट कर मजा कर रहे हैं क्योंकि उन्होंने सरकारी जमीनों को भी नहीं छोड़ा सरकारी जमीनों से यह लोग रोजाना नई गाड़ियां ला रहे हैं तो समझ जाओ और क्या-क्या करते होंगे इन सभी कॉलोनीयों की ओपन लैण्ड फैसिलिटी सहित सरकारी जमीनों की जांच करवा कर उस पर नगर पालिका को चार दिवारी तार बंदी करनी चाहिए क्योंकि यह अरबो रुपए की जमीन है पर प्रशासन बिका हुआ है कब कार्रवाई करेगा देखते हैं जैसाराम माली अध्यक्ष जवाई पर्यावरण एवं वन विकास समिति शिवगंज

शहर के कॉलेज रोड पर आदर्श विद्या मंदिर के पास करण नगर महावीर कॉलोनी के बीच बड़ी सरकारी जमीन वह पुराने कुओं की जमीनों को बेचकर भूमाफिया खा रहे हैं कुआँ का रेडिएशन 15 मीटर होता है उसको भी नहीं छोड़ रहे है ओपन लैण्ड पर खुद का हक बताकर लोगों को धमकीया दे रहे कि हमारी जमीन है पर इन भूमाफियाओ के विरुद्ध कार्यवाही कौन करेगा अब ईमानदार भजनलाल शर्मा सरकार में ईमानदार अधिकारी होंगे तो कार्रवाई होगी नहीं तो पहले कांग्रेस सरकार की तरफ भ्रष्टाचारियों अधिकारी होंगे वह कार्रवाई नहीं करेंगे देखते हैं कौन कार्यवाही करता है।

प्रवीण परमार व्यापारी व समाजसेवी शिवगंज

शिवगंज शहर के करण नगर महावीर कॉलोनी का सड़क बनाकर शहर के भूमाफियाओ कुछ माने हुए सेठ लोगों ने रास्ते तो बंद किए किए माननीय उच्च न्यायालय द्वारा कार्य नहीं करने का स्टे देने के बाद भी आज कार्य चालू है पालिका प्रशासन वह तहसील प्रशासन कार्रवाई क्यों नहीं कर रहा है जमीन मालिक द्वारा अवैध कार्य किया जा रहा है क्या पालिका प्रशासन इनके द्वारा किए गए अवैध कार्य को ध्वस्त करेगी या माननीय उच्च न्यायालय के आदेश की धज्जियां उड़ाएगी क्योंकि शिवगंज पालिका प्रशासन गुलाब कोठारी के आदेश के धजिया उडा रही है तो माननीय उच्च न्यायालय के आदेश की भी धजिया उड़ाएगी क्योंकि इनको किसी का डर नहीं है पैसों के आगे सब नतमस्तक है।

कमलसिंह चौहान समाजसेवी व गौरक्षक शिवगंज

अल्पसंख्यक वर्ग शिक्षा एवं व्यवसायिक ऋण हेतु साप्ताहिक शिविर 18 से 22 नवंबर तक

नमस्ते राजस्थान

भीलवाड़ा, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी, कार्यालय द्वारा अल्पसंख्यक समुदाय (जैन, मुस्लिम, सिक्ख, ईसाई, पारसी, बोद्ध) को शिक्षा एंव व्यवसाय ऋण उपलब्ध कराए जा रहे है। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी आजाद खान पठान ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए अल्पसंख्यक समुदाय को शिक्षा एवं व्यवसायिक ऋण आवेदन में आ रही समस्याओं जैसे ऑनलाईन आवेदन करना एवं दस्तावेजों की समस्याऐं (अल्पसंख्यक प्रमाण-पत्र, मूल निवास प्रमाण-पत्र व आदि) और व्यवसाय प्रोजेक्ट रिपोर्ट के निदान के लिए कार्यालय जिला अल्पसंख्यक मामलात विभाग, कलेक्ट्रेट परिसर मल्टीपरपज हॉल रूम न. 1 व 2 में साप्ताहिक शिविर का आयोजन 18 से 22 नवंबर तक किया जा रहा है। अल्पसंख्यक समुदाय के सभी ऋण इच्छुक नागरिकजन उपस्थित होकर अल्पसंख्यक ऋण योजना का लाभ लेवें तथा संबंधित समस्या का तत्काल निस्तारण करावें। अन्य संबंधित जानकारी के लिए कार्यालय दुरभाष नंबर 01482-232086 पर सम्पर्क कर सकते है।

विधायक कोठारी ने ट्रैफिक पार्क व मानसरोवर झील के सार संभाल के निर्देश दिए

नमस्ते राजस्थान

भीलवाड़ा। विधायक अशोक कोठारी ने पटरी पार क्षेत्र आजाद नगर सेक्टर -द में शमशान घाट के पास में स्थित ट्रैफिक पार्क को देखकर अधिकारियों की कार्य शैली पर नाराजगी जताई, इतना बड़ा उद्यान इस दयनीय स्थिति में है, यह तुरंत हम सभी का दायित्व है, हम इसको साफ, स्वच्छ बनाएं। मौके पर ही अधिकारियों को फोन करके कहा तथा स्वयं ने अपनी टीम को निर्देश दिए जेसीबी को तुरंत कार्य पर लगावे, यहां की पूर्ण साफ सफाई का कार्य होना चाहिए। इसी के साथ मानसरोवर झील के पास बबुल व झाड़ियां को भी देखकर तुरंत जेसीबी लगवाई, दोनों ही स्थान पर करीब दो-तीन दिन तक जेसीबी चलेगी। विधायक कोठारी ने जनता से भी अपील की है, सिर्फ सरकार व अधिकारियों पर ही निर्भर नहीं रहे, अपने स्तर पर कार्यकर्ता व कॉलोनीवासी भी श्रमदान करते हुए साफ सफाई कर पार्कों का सौंदरीकरण में अपना सहयोग प्रदान करे। आप व हम मिलकर भीलवाड़ा नगर को नीट व क्लीन सिटी बनाने का प्रयत्न करें। इस मौके पर भाजपा किसान मोर्चा पूर्व जिला महामंत्री सत्यनारायण गूगड, भाजपा युवा नेता बादल सिंह, दिनेश सुथार, पंकज आडवाणी व स्थानीय कार्यकर्ता गण भी उपस्थित थे।

जनजातीय गौरव दिवस पर जिला स्तरीय समारोह शुक्रवार को नगर निगम सभागार में होगा आयोजित

नमस्ते राजस्थान

भीलवाड़ा, धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत जनजातीय गौरव दिवस समारोह का आयोजन जिला स्तर पर किया जा रहा है। यह समारोह शुक्रवार, 15 नवंबर को प्रातः 11:00 बजे नगर निगम सभागार, में आयोजित किया जाएगा। सीईओ जिला परिषद चंद्रभान भाटी ने बताया कि यह आयोजन जनजातीय समाज के विकास और उत्कर्ष के प्रति जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर 15 नवम्बर को माननीय प्रधानमंत्री महोदय, जमुई बिहार में एक सार्वजनिक समारोह को संबोधित करेंगे, साथ ही कुछ परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घघाटन, शुभारंभ करेंगे।

बनेड़ा के राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय को भामाशाह की सौगात

नमस्ते राजस्थान

भीलवाड़ा, राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, बनेड़ा में छात्राओं के बैठक व्यवस्था के लिए भामाशाह श्री सत्यनारायण बारी ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है। बाल दिवस के अवसर पर उन्होंने विद्यालय को 25 टेबल स्टूल सेट प्रदान किए, जिसकी अनुमानित लागत 51,000 रुपये है। प्रधानाचार्य दिनेश जोशी ने बताया कि विद्यालय में छात्राओं के बैठने की व्यवस्था के लिए स्टूल टेबल की आवश्यकता थी। इस आवश्यकता को पूरा करने के लिए भामाशाह श्री सत्यनारायण बारी ने आगे आकर विद्यालय को यह सामग्री प्रदान की। विद्यालय परिवार ने उनके इस योगदान हेतु अत्यंत आभार व्यक्त किया। यह योगदान न केवल विद्यालय के लिए बल्कि समाज के लिए भी एक प्रेरणा है। भामाशाह की इस सौगात से विद्यालय की छात्राओं को बेहतर शिक्षा ग्रहण करने में मदद मिलेगी। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकों और छात्रों ने भामाशाह को धन्यवाद दिया और उनके इस योगदान की सराहना की।

हजारों बीघा विभागीय भुमि पर अवैध ट्यूबवेल खुदवाकर भू माफिया कर रहे हैं अवैध खेती,राजस्व विभाग बना मूक दर्शक

वर्ष 1988-89 में जेठा फार्म के लिए पशु विज्ञान केंद्र को हुई थी आवंटित

नमस्ते राजस्थान

जैसलमेर जिले के पटवार मंडल चांदन के राजस्व ग्राम सगरा में लगभग 35 साल पूर्व पशु विज्ञान केंद्र को जेठा फार्म के लिए आवंटित हुई भुमि पर अब भूमाफियाओं की नापाक नजरें गड़ चुकी हैं। वर्ष 1988-89 में राज्य सरकार के आदेश से जेठा फार्म को सगरा गांव में आवंटित लगभग 2547 बीघा जमीन पर अवैध काश्त की जा रही हैं। जिसमें भूमाफियाओं ने सिस्टम से सेटिंग कर अवैध ट्यूबवेल तक लगा रखे हैं और धड़ल्ले से अवैध काश्त की जा रही हैं मगर जिला एवं राजस्व प्रशासन मूक दर्शक बन तमाशा देख रहा हैं वहीं राजस्व विभाग के निचले स्तर के कर्मचारी चांदी कूटने में लगे हुए हैं।

फार्म की गायों की चराई के लिए आवंटित हुई थी 2547 बीघा जमीन

राजस्व रिकार्ड के अनुसार राजस्व ग्राम सगरा पटवार हल्का चांधन के खसरा नंबर 8, 9, 10, 11, 11/287, 211, 36, 41, 42, 42/288, 43, 43/289, 11/376 और 11/377 में लगभग 2547 बीघा भुमि जेठा फार्म के नाम से दर्ज हैं। उक्त भुमि राज्य सरकार ने जेठा गांव के पशु फार्म में आने वाली गायों के घास उगाने और चराई हेतु आवंटित की गई थी। मगर वर्तमान में सम्बंधित विभाग की अनदेखी अथवा लापरवाही तथा राजस्व विभाग के कर्मचारियों की मिलीभगत से उक्त हजारों बीघा जमीन पर अतिक्रमण कर कृषि काश्त की जा रही हैं। यहां तक कि इस जमीन में भारी संख्या में अवैध ट्यूबवेल भी लगा रखे हैं, मगर जिम्मेदार आंखे मूंदकर तमाशा देखते नजर आ रहे हैं।

माननीय उच्च न्यायालय में विचाराधीन हैं जनहित याचिका

उक्त भूमि के संबंध में एक ग्रामीण द्वारा माननीय उच्च न्यायालय मे एक जनहित याचिका संख्या 8402/2024 लगा रखी हैं जो कि विचाराधीन है, जिसमें माननीय न्यायालय ने जिला और राजस्व विभाग से जवाब तलब किया हैं। बावजूद इसके भू माफिया प्रवृति के लोग उक्त विभागीय भूमि पर अतिक्रमण कर नित नए ट्यूबेल खुदवा रहे हैं। इस संबंध में ग्रामीणों द्वारा बार बार जिला प्रशासन को शिकायतें और ज्ञापन भी दिए गए मगर जिला प्रशासन के कानों पर जूं तक नहीं रेंगी। जबकि माननीय न्यायालय ने ओरण, गोचर ओर आगोर के संबंध में स्पष्ट दिशा निर्देश दे रखे कि ऐसे अतिक्रमणों को तुरंत हटाकर बेदखली की कार्यवाही की जावे।

पूर्व जिला कलेक्टर आशीष मोदी ने 2020 में मुक्त करवाई थी 1700 बीघा जमीन

भू माफियाओं के उक्त अतिक्रमणों पर तत्कालीन जिला कलेक्टर आशीष मोदी ने वर्ष 2020 में ठोस कार्यवाही करते हुए लगभग 1700 बीघा जमीन पर से अतिक्रमण हटा कर भू माफियाओं की कमर तोड़ने का काम किया था, मगर बाद में भू माफिया प्रवृति के लोग पुनः सक्रिय हो गए और उक्त सरकारी भूमि पर पुनः कब्जा कर लिया। इन लोगों के हौसले इतने बुलन्द है कि ये लोग प्रशासन व न्यायालय में वाद विचाराधीन होने के बावजूद भी इन लोगों मे किसी तरह का कोई भय नहीं है। अगर समय रहते उक्त हो रहे अतिक्रमण को हटाया नहीं गया तो ये लोग सरकारी भूमि पर स्थायी रूप से काबिज हो जाएंगे।

हलका पटवारी पर ग्रामीणों ने लगाए अवैध कब्जा करने के आरोप

कहावत हैं कि ₹बिल्ली को दूध की रखवाली पे बिठाया जाए तो को कैसी रखवाली करेगी?₹ यही कहावत यहां फिट बैठती नजर आ रही हैं। ग्रामीणों का आरोप हैं कि सगरा गांव के खसरा संख्या में 11 में चांदन पटवार मंडल के पटवारी ने ही एक बेनामी कब्जा कर रखा हैं, जहां पर अवैध ट्यूबवेल के माध्यम से काश्त की जा रही हैं। अब ₹जब बाड़ ही खेत खाए तो कोई क्या करेर वाली कहावत चरितार्थ होती नजर आ रही हैं। जिसके जिम्मे भुमि की सुरक्षा की जिम्मेदारी हैं वहीं यदि अतिक्रमण करने लगे तो बाकी कब्जेदारों से क्या उम्मीद की जा सकती हैं? ये जगजाहिर हैं।

इनका कहना हैं...

हलका पटवारी कमलेश सिंह से बात करने पर बताया कि मेरे विरुद्ध लगाए गए आरोप झूठे हैं और मैने कोई अतिक्रमण या अवैध काश्त नहीं कर रखी हैं। जहां तक अवैध अतिक्रमणों की बात हैं तो अतिक्रमियों को नोटिस जारी किए जा चुके हैं और आगामी 5 से दस दिन में अतिक्रमण हटाने की विधिसम्मत कार्यवाही आरम्भ कर दी जाएगी।

बाल समारोह में खेलकूद एवं संस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन

नमस्ते राजस्थान

भीलवाड़ा। बाल दिवस के अवसर पर शहर के तमाम विद्यालयों में बाल दिवस बड़े धूमधाम से बनाया गया इस अवसर पर विद्यालयों के शिक्षकों ने बालकों को क्रीड़ा करवाई इस मौके पर बच्चों ने बड़े हर्ष के साथ कई साहसिक खेल खेले ब्लॉकों को मोबाइल में खेल नहीं खेलते हुवे साहसिक खेल खेलने चाहिए इसके लिए शिक्षकों ने छात्र छात्राओं को प्रोषाहित किया । भीलवाड़ा के बड़े सरकारी विद्यालय में भी प्रधानाचार्य श्याम लाल खटीक ने बालकों संदेश देते हुवे कहा कि वर्तमान काल की स्थितियों को देख कर चले तो हमें शिक्षा के प्रति बालक बालिकाओं को जागरूक होना पड़ेगा शिक्षा ही एक ऐसा माध्यम हे जिससे बालकों का बौद्धिक शारीरिक नैतिक विकास हो पाएगा अपने जीवन काल में अच्छा जीवन जीना हे तो विधा को ग्रहण करना बेहद जरूरी हे हमें अच्छा मार्ग कोई दिखा सकता हे तो वह शिक्षा है। अभी की जनरेशन मोबाइल जैसे उपकरणों में लिप्त होती जा रही हे जिससे उनके बौद्धिक विकास में कमी होती जा रही पढ़ाई के दौरान बच्चों को मोबाइल से दूर रखना बेहद जरूरी हे जिससे वह अपने मार्ग से ना भटके। बच्चों की पढ़ाई में शिक्षक की जितनी भूमिका होती हे

उससे कई अधिक अभिभावकों की भी जिम्मेदारी होती हे। अभिभावकों को भी समझना पड़ेगा कि बालकों के जीवन में मोबाइल सबसे ज्यादा घातक है। भीलवाड़ा के सर्वोदय स्कूल के वैभव बांगड़ ने कहा कि भारत को एक जगह से दूसरी जगह से ले जाने के शिक्षा अत्यधिक महत्वपूर्ण है शिक्षा से बच्चों का सर्वांगीण विकाश के लिए शिक्षा महत्व अधिक हे जिससे बालक अपनी पढ़ाई पूरी करके अपने जीवन सक्षम बना सकता हे। बच्चों के माता पिता की आशाएं और विश्वाश उनके बच्चों पर टिकी होती हे जब तक बालक शिक्षा ग्रहण नहीं करेगा तब तक उनका बौद्धिक विकास नहीं हो पाएगा ।

सडक की कर दी खुदाई, डामरीकरण करना भूल गये, ककरीट से हो रहे चोटिल धुल के गुब्बार से सात माह से आमजन परेशान,ठेकेदार-विभाग चिरनिद्रा में

नमस्ते राजस्थान

गुरलाँ सत्यनारायण सेन कारोई से टुहका चोराहे वाया सांगवा तक सडक बनाने के लिए खुदाई तो कर दी, लेकिन डामरीकरण करना भूल गये। बिखरती ककरीट व धुल के गुब्बार से उड रहे जिससे दुपहिया वाहन चालक चोटिल व आखों में मिट्टी वाहन चालकों को आगे दिखाई नहीं दे रहा है इस विभागीय ठेकेदार की अनदेखी का खामियाजा क्षेत्रीय लोगों और व्यापारियों के साथ ही वाहन चालकों को भुगतना पड़ रहा है।

सात- आठ माह से आमजन परेशान

क्षेत्रीय लोगों और व्यापारियों का कहना है कि कारोई से टुहका चौराहे

वाया सांगवा तक खस्ता हाल सडक को नई बनाने के लिए विभाग ने सडक की खुदाई कर दी। करीब 7-8 माह बीत जाने के बाद भी इस खोदी गई सडक पर डामरीकरण का कार्य नहीं करवाया गया।

बड़े गावों के सम्पर्क में खोदी सड़क बाधा बनी

हाईवे 758 से सम्पर्क एमडीआर सड़क से बागोर,बेमाली,करेडा ,देवगढ,मांडल, आसीन्द एवं अन्य गावों के होने से यहां वाहनों की आवाजाही लगी रहती है। गड्ढों के चलते वाहन चालक तो परेशान है ही साथ ही क्षेत्रीय निवासी भी वाहनों से उड़ती धूल के गुब्बार से खासे परेशान है।

सडक पर ककरीट से दुर्घटना की सम्भावना

कक्कड़ से फिसल कर चोटिल हो रहे है वाहनों के टायर पर कट लगने से आर्थिक नुकसान हो रहा

फसलो को नुकसान

खुदी हुई सड़क किनारे पर खेतों में कपास, गेहूं, फुलो, चने,चारे की फसलों पर उडते गुब्बार से फसलों पर मिट्टी लग जाने से फसलें ग्रोथ नहीं कर रही साथ ही फसलों को नुकसान हो रहा है

आमजन की मांग

क्षेत्रीय लोगों ने संबंधित विभाग व शासन प्रशासन से सडक के अधूरे कार्य को शीघ्र पूरा करने की मांग की है।

बाल दिवस विशेष

बालकों के सर्वांगीण विकास में योगदान

नमस्ते राजस्थान

बांसवाड़ा जिला, राजस्थान का एक जनजातीय बहुल क्षेत्र है जो पलायन जैसी गंभीर समस्याओं के लिए जाना जाता है। इस क्षेत्र में पलायन का दर्द सबसे अधिक मासूम बालकों को सहना पड़ता है, क्योंकि वे छोटी उम्र में ही परिवार की जिम्मेदारी उठाने को मजबूर हो जाते हैं। उनकी शिक्षा और बाल्यकाल की खुशियां इस बोझ के तले दब जाती हैं। ऐसी कठिन परिस्थिति में कुछ लोग समाज में सुधार और बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए आगे आते हैं। इनमें से एक प्रेरणादायक व्यक्तित्व हैं श्री कमलेश बुनकर, जिन्होंने बालकों के उत्थान और कल्याण के लिए महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। कमलेश बुनकर का योगदान उस समय से प्रारंभ हुआ जब संविदा के तहत नियुक्त विद्यार्थी मित्रों को सेवा से हटाया गया। इस घटना ने उन्हें सोचने पर मजबूर किया कि समाज के लिए क्या किया जा सकता है। उन्होंने यह निश्चय किया कि बालकों और बालिकाओं की सेवा में अपना जीवन समर्पित करेंगे। वर्ष 2015 से कमलेश बुनकर ने चाइल्डलाइन 1098 के माध्यम से बच्चों की सहायता का बीड़ा उठाया और आज भी वे इस कार्य में लगे हुए हैं।

बालकों की गिरवी रखने की कुप्रथा पर अंकुश

बांसवाड़ा जिले में बच्चों को गिरवी रखने की कुप्रथा एक गंभीर समस्या थी। गरीब परिवार अपने बच्चों को आर्थिक तंगी के कारण गिरवी रख देते थे। कमलेश बुनकर ने प्रशासन के सहयोग से इस प्रथा को समाप्त करने का बीड़ा उठाया। उन्होंने इस दिशा में न केवल बच्चों को इस दासता से मुक्त कराया बल्कि इस प्रथा के खिलाफ स्थानीय पुलिस थानों में मुकदमे भी दर्ज कराए। इसके परिणामस्वरूप इस कुप्रथा पर

काफी हद तक अंकुश लग पाया।

बालकों को योजनाओं का लाभ दिलाने का प्रयास।

कमलेश बुनकर का मानना है कि सरकारी योजनाएं तो बहुत हैं, परंतु जरूरतमंदों तक उनका लाभ पहुंचाना हम सभी का दायित्व है। इस उद्देश्य से उन्होंने गांव-गांव और ढाणी-ढाणी जाकर जरूरतमंदों की सहायता की। उन्होंने दिव्यांगजन, वृद्ध, शिक्षा से वंचित बच्चों को आवश्यक योजनाओं से जोड़ने का कार्य किया ताकि वे अपने अधिकारों का लाभ उठा सकें। उनके प्रयासों से कई बालक-बालिकाएं मूलभूत सुविधाओं से जुड़ पाए और अपने जीवन को खुशहाल बनाने की दिशा में अग्रसर हुए।

सड़क किनारे रहने वाले बालकों की शिक्षा में योगदान

बुनकर ने सड़क किनारे रहने वाले परिवारों की समस्याओं का गहन अध्ययन किया और सबसे पहले उनके बच्चों को शिक्षा से जोड़ने का संकल्प लिया। ऐसे परिवार अक्सर एक राज्य से दूसरे राज्य में पलायन करते रहते हैं, जिससे उनके पास पहचान पत्र जैसे आवश्यक दस्तावेज नहीं होते। कमलेश बुनकर ने इन बच्चों के लिए आधार कार्ड बनवाने में मदद की, जिससे उन्हें विद्यालयों में प्रवेश मिल सके। परिणामस्वरूप, इन बालकों ने कक्षा एक से पांचवी तक की पढ़ाई पूरी की और अब वे नियमित रूप से शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं।

बाल श्रम के खिलाफ कड़ा कदम

बांसवाड़ा जिले में बाल श्रम एक गंभीर समस्या है। गरीब परिवारों के बच्चे शिक्षा से वंचित होकर काम में लग जाते हैं। कमलेश बुनकर ने बाल श्रमिकों को न्याय दिलाने और पुनर्वास के लिए कई कदम उठाए। उन्होंने बिना किसी भय के बाल श्रमिकों के लिए स्वयं मुकदमे दर्ज कराए और प्रशासन के सहयोग से उनका पुनर्वास कराया। इसके अलावा, इन बच्चों को नियमित रूप से शिक्षा से जोड़ने का प्रयास किया गया और उनकी शिक्षा की स्थिति का फॉलो-अप भी किया गया।

बच्चों के अधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाने का प्रयास

कमलेश बुनकर ने बच्चों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने का भी कार्य किया। उन्होंने अपने प्रयासों के माध्यम से यह सुनिश्चित किया कि बच्चों को शिक्षा, सुरक्षा, स्वास्थ्य और अन्य आवश्यकताओं की जानकारी मिल सके। उनका मानना है कि जब प्रत्येक बालक और बालिका अपने अधिकारों से परिचित होंगे तो वे अपने जीवन में आत्मनिर्भर बन पाएंगे।

बालकों के सर्वांगीण विकास में सहयोग

कमलेश बुनकर ने न केवल बालकों की शिक्षा और उनके अधिकारों के प्रति कार्य किया, बल्कि उनके सर्वांगीण विकास में भी अपना योगदान दिया। उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि बच्चों को उचित पोषण, स्वास्थ्य सेवाएं, और मानसिक समर्थन मिल सके। इस उद्देश्य से उन्होंने विभिन्न शिविरों का आयोजन किया जिसमें बच्चों को मानसिक और शारीरिक रूप से सशक्त बनाने के लिए कई गतिविधियां करवाई गईं।

बच्चों के जीवन में सकारात्मक बदलाव

कमलेश बुनकर के इन प्रयासों के परिणामस्वरूप बांसवाड़ा जिले में कई बच्चों के जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिले हैं। कई बालक-बालिकाएं, जो शिक्षा से वंचित थे, अब नियमित रूप से विद्यालय जा रहे हैं और आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहे हैं। गिरवी रखने की कुप्रथा से मुक्ति पाने वाले बच्चों ने शिक्षा को अपना लिया है और बेहतर भविष्य की ओर कदम बढ़ा रहे हैं। कमलेश बुनकर जैसे व्यक्ति समाज में प्रेरणा के स्त्रोत हैं। उनके प्रयासों ने न केवल बालकों की जिंदगी बदली है बल्कि समाज को यह संदेश भी दिया है कि अगर समाज के हर व्यक्ति का योगदान हो तो कोई भी कुप्रथा समाप्त हो सकती है और बच्चों को उनका अधिकार मिल सकता है। कमलेश बुनकर का यह कार्य बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण योगदान है, जो न केवल उनके शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा को सुनिश्चित करता है, बल्कि उनके उज्ज्वल भविष्य का मार्ग भी प्रशस्त करता है। उनके इस कार्य के प्रति समर्पण और योगदान को देखते हुए कहा जा सकता है कि यदि समाज में और लोग भी इसी तरह से बच्चों के अधिकारों के लिए कार्य करें तो समाज का चेहरा निश्चित रूप से बदल सकता है।

पुलिस थाना बडलियास द्वारा अवैध हथियार के खिलाफ कि गई कार्यवाही

आरोपी से एक अवैध पिस्टल मय 02 जिन्दा कारतुस को किया गया जब्त

आरोपी हरीराम गुर्जर को किया गिरफतार

नमस्ते राजस्थान

भीलवाडा। जिले मे अवैध हथियार तस्करी तथा आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण हेतु समस्त थानाधिकारी जिला भीलवाडा को निर्देशित किया गया था। इसी क्रम में पारस जैन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय भीलवाडा एवं बाबूलाल विश्नोई वृत्ताधिकारी वृत माण्डलगढ जिला भीलवाडा के निकटतम सुपरविजन में सिद्वार्थ प्रजापत उ.नि. थानाधिकारी के निर्देशन में पुलिस थाना बडलियास पर टीम गठित की गयी।

घटना का विवरणः- दिनांक 13.11.24 को अशोक कुमार हैड कानि. 885 मय जाप्ता के दौराने गश्त मुखबीर सुचना पर सरहद जाटो का सोपुरा मुलिजम हरीराम गुर्जर पिता रामकिशन गुर्जर जाति गुर्जर उम्र 25 साल निवासी नरसिंगपुरा थाना कोटडी जिला शाहपुरा के कब्जे से आई 20 कार रजि. नम्बर आरजे 51 सीए 7185 मे अवैध पिस्टल व 02 जिन्दा कारतुस बरामद कर मुलिजम को गिरफतार किया जाकर व कार को जब्त कर प्रकरण संख्या 214/24 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट मे दर्ज कर अनुसंधान प्रारम्भ किया गया ।

पुलिस टीमः-

1. सिद्वार्थ प्रजापत उनि थानाधिकारी पुलिस थाना बडलियास जिला भीलवाडा
2. अशोक कुमार हैड कानि. 885 पुलिस थाना बडलियास जिला भीलवाडा
3. मोतीराम कानि. 454 पुलिस थाना बडलियास जिला भीलवाडा
4. संदीप कुमार कानि. 2039 पुलिस थाना बडलियास जिला भीलवाडा
5. मुकेश कुमार कानि. 2253 पुलिस थाना बडलियास जिला भीलवाडा

जहाजपुर कस्बे में लोगों की गिरफ्तारी से माहौल गमार्या:जुलूस पर पथराव की घटना के 2 महीने; काला दिवस मना रहे थे

नमस्ते राजस्थान

भीलवाड़ा शाहपुरा जिले के जहाजपुर कस्बे में 2 महीने पहले जलझूलनी एकादशी पर जुलूस पर पथराव हो गया था। इस मामले में अभी तक ठोस कार्रवाई न होने का आरोप लगाकर एक पक्ष के लोग गुरुवार को काला दिवस मना रहे थे। काली पट्?टी बांधकर विरोध दर्ज कराने के साथ ही बाजार बंद कराने की तैयारी थी। लेकिन पुलिस ने 9 लोगों को गिरफ्तार कर लिया। इससे माहौल गर्मा गया। यहां दो महीने पहले भगवान पीतांबर श्याम के जुलूस पर पथराव हुआ था। जिला प्रशासन पर एक संगठन के लोगों ने मांगें नहीं मानने का आरोप लगाया और इसके विरोध में गुरुवार को काला दिवस के रूप में मनाया। इसी दौरान हिंदू समाज द्वारा आज कस्बे के नौ चौक से काली पट्टी बांधकर पैदल मार्च शुरू किया जो शहर के मुख्य बाजरों से होता हुआ कल्याण जी मंदिर पर धरना देने के लिए पहुंचा। इसी बीच पुलिस से वार्ता करने के लिए जा रहे हैं चार व्यक्तियों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया उसके बाद माहौल बिगड़ गया। इसके बाद आक्रोशित लोग बाजार बंद करवाने के लिए पहुंचे इस दौरान पुलिस ने चार से पांच अन्य युवकों को बाजार बंद करने के आरोप में हिरासत में ले लिया। लोगों की गिरफ्तारी के विरोध में जहाजपुर कस्बे के कल्याण मंदिर के बाहर इकट्ठा हुए और धरना प्रदर्शन और विरोध शुरू किया। मौके पर हालात को देखते हुए बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। फिलहाल लोगों का प्रदर्शन जारी है।

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गाडरमाला को भामाशाह की सौगात

नमस्ते राजस्थान

गुरलाः-राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गाडरमाला (भोपालगढ़) को स्थानीय विद्यालय के प्रधानाचार्य शीला मीणा की प्रेरणा से ग्राम गाडरमाला के भामाशाह तथा समाज सेवी कन्हैयालाल कीर द्वारा एल ई डी स्क्रीन, केमरे एवं विद्यालय के विकास हेतु 51000 रु दान दिए मीणा ने बताया कि विद्यार्थियों के हित एवं भौतिक विकास लिए ग्राम के भामाशाहो को समय समय पर विभिन्न मंचों के से प्रेरित करती रहती है। इसी से प्रभावित होकर कन्हैया लाल कीर द्वारा ज्ञान संकल्प पोर्टल के माध्यम से विद्यालय में 51000 आनलाइन भेंट किये गये। समाज सेवी कीर का मानना है पैसे के अभाव में कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी जब भी आवश्यकता होगी मैं हमेशा सहायता के लिए तत्पर रहुंगा। मीणा ने आमजन, अभिभावकों, एवं भामाशाहो से अपील की है कि कोई भी व्यक्ति सरकार द्वारा संचालित आनलाइन पोर्टल के माध्यम से विद्यालय में पैसे या सामग्री दान कर सकता है। विद्यालय को दिया गया दान आयकर की धारा 80 जी के तहत छूट प्राप्त है। ग्राम के अन्य बहुत से भामाशाह भी विद्यालय विकास हेतु प्रेरित हुए हैं ।विद्यालय परिवार उनके इस योगदान हेतु अत्यंत आभार व्यक्त करता है। यह योगदान न केवल विद्यालय के लिए बल्कि समाज के लिए भी एक प्रेरणा है। विद्यालय स्टाप मौजूद था।

शहर का सोजन्यकरण खराब करने का ठेका ले रखा है ईन नेताओ ने भूमाफियाओ से

कोरनॅर की बिल्डिंग की गोलाई कटिंग होनी चाहिए पर इन भूमाफियाओ व भष्ट्राचारीओ ने एक भी बिल्डिंग के काम्पलैक्स का कोरनॅर नही छोडा गया है

शहर में बने पाँच साल मे अवैध कोरनॅर बिल्डिंग की जाँच कर कोरनॅर हटाने के लिए योगी मोडल अपनाना चाहिए

शहर का सोजन्यकरण वापस बनाने के लिए भाजपा सरकार कुछ करेंगी भष्ट्राचारीओ को जेल भेजा जाएंगा

नमस्ते राजस्थान

शिवगंज शहर में वाणिज्य निर्माण की भरमार चालू है लोग कुछ पैसा देकर निर्माण स्वीकृति या तो ले लेते हैं या आवासीय स्वीकृति लेकर वाणिज्य निर्माण कर देते हैं पर राजस्थान सरकार टाउन पॉलिसी के अनुसार जो भी भूखंड कॉर्नर का है उसकी कटिंग होनी आवश्यक होती है पर नहीं करते कोई भी यहां पर कटिंग क्योंकि भ्रष्टाचार करके निर्माण स्वीकृति ले ली नहीं तो यहां पर निर्माण स्वीकृति में काटी जाती है और नहीं लैंड चेंज की जाती है तब कभी भी राजस्थान सरकार के टाउन प्लानिंग के अधिकारियों ने सब पत्र जारी किया तब उसमें साफ निर्देश दिया गया कि कॉर्नर के भूखंड का कौणा काटा जाए पर नहीं मानते यह आदेश और यहां के आदेश खुद बनाते हैं और खुद चलाते हैं तो राजस्थान सरकार को चुना क्यों लगाते हैं भ्रष्टाचारियों के आगे हद पार कर दी उन्होंने अभी वर्तमान में शहर में चल रहे कई निर्माण कॉर्नर का भूखंड है फिर भी उसका कॉनर नही काटा गया क्यों नहीं काटा गया क्योंकि अगर कॉर्नर का भूखंड है अगर 3 मी कटता है तो 10 फीट तो करीब करोड़ो का चुना लगता है कुछ लाखों रुपए देकर यह कॉर्नर खुद खा लेते हैं वह पालिका के अधिकारियों को तो कुछ हफ्ता दिया और काम हो गया नहीं चलती यहां के किसी भी नेताओं की क्योंकि यहां पर पूर्व में जो नेता थे वह

खुद चलाते थे अपनी पर अब वाले नहीं तो खुद की चलते और नहीं किसी की चलने देते सबका काम कर दो भगवान भला करेगा पर शहर का सौजन्यकरण खराब क्यों कर रहे हो अगर कॉर्नर के भुखंड का कोरनॅर नहीं काटा गया तो भविष्य में उस गली में निकलने वाले लोगों को कितनी परेशानी होगी उसके बाद भी उस कांपलेक्स मालिक द्वारा सड़कों पर अतिक्रमण किया जाता है नहीं तो वह कॉर्नर पर नहीं छोड़ा जाएगी इसकी जमीन फिर भी वह अतिक्रमण करने में पीछे नहीं रहता क्या होगा इस शहर का जिसका सौजन्यकरण शहर को बचाने वाले अधिकारियों ने ही कर रखा है क्योंकि इन्होंने भ्रष्टाचार की हद पार कर-के अपना जेब तो भर दिया अन्य जगह चले भी गए पर क्या किया इन्होंने शहर का सत्यानाश किया पर पालिका में बैठे पालिका अध्यक्ष तो शहर के हैं उनको क्यों नहीं सुनी कि मैं गलत काम करूंगा तो मेरे ऊपर उंगली उठेगी और शहर का सोजन्यकरण खराब होगा तो लोग मुझे गलत कहेंगे मेरे अनुसार धन के आगे सब नीचे देख कर चलते हैं या नतमस्तक हो क्योंकि जब कोई सेटिंग होती है जब उसमें ठेका लिया जाता है क्योंकि शिवगंज नगर पालिका में जब से प्रकाश डुडी अधिशाषी अधिकारी पद पर रहे है इन्होंने उल्टे कामों में कोई कसर नहीं छोड़ी क्योंकि उनको धन चाहिए था अभी कार्यवाही करवाना इन्होंने तो अवैध कार्य करवाने के लिए मूंछों के बाल वाली बात करके छोड़ दी थी क्यों शहर का सत्यानाश करवाया इन नेताओं ने लोगों को पता था कि इस अधिकारी ने सुमेरपुर में बिगाड़ा किया फिर भी कई फर्जी पट्टे बनाएं निर्माण स्वीकृत के बिना ही बड़ी-बड़ी बिल्डिंग बन गई पर शिवगंज में आते ही एक नेता ने दूसरे नेता को नीचे दिखाने के लिए इस डूडी साहब को कुर्सी पर बैठाया रखा पर जब मंत्री जी के नाक कटने लगी तब जाकर उसको हटाया गया वह भी ट्रांसफॉर्म हुआ निलंबित नहीं किया गया राजस्थान सरकार के स्वायत्त शासन विभाग से निदेशक ने आज ही ईनको 17 सीसी का नोटिस जारी किया भ्रष्टाचार की हद पार करने वालों में जब से यह अधिकारी ने कार्यकाल संभाला तबसे लेकर आज तक के कार्य की जांच करवाई जाए तो पता चल जाएगा कि इन्होंने फर्जी वाले में कितने निर्माण स्वीकृति दिए वह सुभाष नगर में कॉर्नर पर जितनी भी बिल्डिंगे बनी है उनका कोरनॅर नहीं काटा गया अब वर्तमान में पोस्ट ऑफिस वह गौशाला रोड पर बंन रहे है वाणिज्य कापलेक्सों का कॉर्नर नहीं काटे जा रहा है क्यों अगर कॉर्नर नही काटा गया तो भविष्य में इन गलियों में निकलने वाले लोगों को परेशानी हो जाएगी क्योंकि इन्होंने टाउन पॉलिसी 2010 नियमों की उल्लेख नहीं कर रहे नियम स्वीकृति में भी यह नहीं दशार्ते है की कॉर्नर काटा जा रहा है क्यों नहीं अभी उनके विरुद्ध कार्यवाही की जाए वैसे अधिकारियों व नेताओं को भ्रष्टाचारी कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई होनी चाहिए वह जो कॉर्नर दुकान पर बनी बिल्डिंगों का कॉर्नर काट कर उससे शहर का सोजन्यकरण अच्छा हो सके वैसा ही कार्यवाही करवाना चाहिए जिससे सरकार को नुकसान नहीं हो और जनता को सोजन्यकरण का लाभ मिल सके गली में गाड़ी चलाने वाले को परेशानी न हो इन भूमाफियाओं ने सरकारी जमीन नहीं छोड़ी तो यह कॉर्नर कैसे छोड़ेंगे इन्होंने नाली पर भी कब्जा करके कोई जमीन के भी लोगों से पैसा लिया तो यह कॉर्नर के भूखंड की जमीनों को कैसे छोड़ेंगे तुरंत कार्रवाई कर-के इन सभी के कॉर्नर छोड़ी जाए वह सरकारी जमीनों से अतिक्रमण हटाया गया

इनका क्या कहना है

शिवगंज नगर पालिका क्षेत्र के सुभाष नगर पोस्ट ऑफिस रोड पर वह होली चौक मुख्य बाजार में कॉर्नर के भुखड
में जो निर्माण कार्य चल रहा है उसका कॉर्नर कटिंग करके शहर का सोजन्यकरण सुधारा जा सकता है इन भूमाफियाओ से कुछ रुपया लेकर पालिका में बैठे कुछ भ्रष्टाचारियों ने निर्माण कार्य चालू करवा दिया पर इसका कोरनॅर नहीं काटा गया तो शहर का सोजन्यकरण खराब हो जाएगा इन सभी पत्रावलियों की जांच करवाई जाए कि निर्माण स्वीकृति में क्या स्वीकृति वह भुउपयोग परिवर्तन में किया गया तुरंत जांच करके बैठे यहां पर अधिकारी वह नेताओं के मुकदमा दर्ज करवाया जाए शहर का सोजन्यकरण खराब हो ऐसा वातावरण बनाया जाए

सीमा देवी माली पार्षद नगर पालिका शिवगंज

शहर में आजकल आवासीय क्षेत्र में वाणिज्य बिल्डिंगों के निर्माण हो रहे कॉर्नर के भूखंड में 1 इंच कोरनॅर नही काटा जा रहा है क्योंकि 10 फीट कटिंग होनी आवश्यक है पर यहां पर अधिकारी नेता व कर्मचारी मिले होने की वजह से फायदा दिया जा रहा है क्यों नहीं इनके विरुद्ध कार्यवाही करके जो भी बिल्डिंग नियमों के विपरीत बनी है उन पर जेसीबी चला कर योगी मॉडल बनाया जाए तब जाकर लोगों को विश्वास होगा वर्तमान में आए अधिकारियों की इमानदारी से ही शहर का सोजन्यकरण सही हो सके वैसा निर्माण हो

कमलसिंह चौहान समाजसेवी व गौरक्षक शिवगंज

तेज रफ्तार कार ने किसान को कुचला, टक्कर के बाद 10 फीट दूर उछलकर गिरा, चालक भागा

नमस्ते राजस्थान

नोखा तेज रफ्तार कार की टक्कर से किसान की मौत हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि किसान उछलकर 10 फीट दूर जाकर गिरा। हादसे के बाद कार चालक थोड़ी देर रूककर वापस चला गया। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें कार टक्कर मारते दिखी है। हादसा नोखा के हिम्मटसर गांव स्थित रामदेवरा फांटा के पास बुधवार शाम करीब 5 बजे का है।

किसान को ग्रामीणों ने हॉस्पिटल पहुंचाया

थानाधिकारी हंसराज लूणा ने बताया- हिम्मटसर गांव का रहने वाला मनोज तिवाड़ी (50) अपने खेत से पैदल घर लौट रहा था। वह सड़क पार कर रहा था। इस दौरान तेज स्पीड में आ रही कार ने टक्कर मार दी। किसान को ग्रामीणों ने हॉस्पिटल पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया।

हादसे का वीडियो आया सामने

टक्कर मारने का एक 19 सेकंड का वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में सड़क के साइड में ऊंटगाड़ी खड़ी दिखाई दी। सड़क से बाइक गुजरी। इसके बाद किसान सड़क क्रॉस करता दिखाई दिया। इतने तेज स्पीड में आ रही एक कार किसान को टक्कर मारकर आगे जाकर रुकी। इसके बाद चालक गाड़ी को भगाकर ले गया। हादसे की जानकारी पर नोखा पुलिस जिला हॉस्पिटल पहुंची और शव को मॉच्युर्री में रखवाया। किसान घर में अकेला कमाने वाला था।

महासभा में विवाद से चर्चा में बिश्नोई समाज:महिला हिरण के बच्चे को दूध पिलाती है, शादी में फेरे नहीं, पेड़ बचाने को सिर कटाए

नमस्ते राजस्थान

हिसार बिश्नोई समाज इन दिनों सुर्खियों में बना हुआ है। इसका बड़ा कारण है पूर्व सांसद कुलदीप बिश्नोई और बिश्नोई महासभा के प्रधान देवेंद्र के बीच चल रही तनातनी। हाल ही में दोनों ने संगठन में रहते हुए एक-दूसरे को अपने-अपने पदों से हटा दिया था। वहीं, बुधवार को बिश्नोई समाज ने बैठक कर 5 फैसले लिए हैं। इनमें सबसे बड़ा फैसला महासभा का संरक्षक पद खत्म करना था। इसके साथ ही फैसला लिया गया कि कुलदीप बिश्नोई से 'बिश्नोई रत्न' भी वापस लिया जाएगा। संगठन में चल रहे विवाद के कारण भले ही इस वक्त बिश्नोई समाज सुर्खियों में आ गया हो, लेकिन आपको बता दें कि प्रकृति से प्रेम करने वाला यह समाज वन्य जीवों के लिए त्याग करने के लिए समाज में एक मिसाल माना जाता है। बिश्नोई महिला हिरण के बच्चे को अपना दूध पिलाती है। पेड़ बचाने के लिए वह सिर तक कटा देते हैं।

'बईया ओरण का रण' के हुए दो फाड़

एक तरफ बईया सरपंच और कुछ ग्रामीण हैं कम्पनी के प्रोजेक्ट के पक्ष में, तो दूसरी तरफ शिव विधायक और उनके समर्थक हैं विरोध में

नमस्ते राजस्थान

जैसलमेर जिले की फतेहगढ़ तहसील के झिनझिनयाली थाना इलाके के बईया गांव के सरपंच पदम सिंह ने अपने पिता और ग्रामीणों के साथ मिलकर कलेक्टर को ज्ञापन दिया हैं। ज्ञापन में बइया गांव में अदानी सोलर कंपनी द्वारा करवाए जा रहे कार्य को सही और सुसंगत बताते हुए उसे जल्द शुरू करवाने की मांग की हैं जिससे कि आस पास के ग्रामों का विकास हो। सरपंच ने बताया कि बाहरी व असामाजिक तत्व राजनीति कर काम को रुकवाने के प्रयास कर रहे हैं, जो सरासर गलत है। गौरतलब हैं कि कुछ दिन पूर्व हुए विरोध के बाद बइया सरपंच ने एक प्रेस नोट भी जारी किया था जिसमें अपनी खातेदारी खेत में काम करने की बात रखी थी।

कंपनी के पक्ष में जिला कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

आज बईया गांव के कुछ ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत बईया के सरपंच ने नेतृत्व में जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर कंपनी का कार्य जल्द से जल्द शुरू करवाने की मांग की। बइया गांव के सरपंच पदम सिह ने बताया कि 'जिला कलेक्टर का इस बाबत ध्यानाकर्षण करवाना चाहता हूं कि हम सभी ग्रामवासी इस सोलर पावर प्रोजेक्ट का पिछले 3 साल से इंतजार कर रहे थे जो अब जा कर ये प्रक्रियाधीन हुआ है। हम ग्रामवासियों को इस सोलर पावर प्रोजेक्ट के आने से गांवों में रोजगार में वृद्धि होगी एवम विश्वास है की ये गांव समुचित विकास की ओर अग्रसित होंगे जबकि विगत कुछ दिनों से गांव के बाहरी लोगों व असामाजिक तत्वों द्वारा मीडिया के द्वारा ये भ्रम फैलाया जा रहा है की जिस जगह पर निर्माण कार्य की गतिविधियां प्रारम्भ हुई हैं वो ओरण की जमीन हैं। जो कि अनुचित हैं।

निजी खातेदारी जमीन पर अडानी कंपनी करवा रही हैं काम

सरपंच पदम सिंह ने बताया कि जिस जमीन पर कंपनी ने काम शुरू किया था, वो जमीन उनके पिता खेतसिह पुत्र सबलसिह के नाम से है, जिसका खसरा न. 550 व 551 रकबा 45.5 बीघा, ग्राम गाले की बस्ती, तहसील फतेहगढ़, जिला जैसलमेर में है तथा इसमें किसी प्रकार का ओरण या गोचर नहीं हैं। अगर ओरण या गोचर होता तो हम खुद उसका विरोध करते जबकि वो जमीन निजी है। हम चाहते हैं कि वहां काम हो और गांव में विकास हो और रोजगार आए।

शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी ने किया था विरोध

दरअसल, हाल ही में अदानी कंपनी द्वारा बड्या गांव में सोलर प्रोजेक्ट के लिए निजी खातेदारी जमीन लेकर उस पर सोलर प्रोजेक्ट का काम शुरू किया गया था। मगर कुछ ग्रामीणों द्वारा विरोध करने पर शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी ने ग्रामीणों का समर्थन कर पुलिस प्रशासन व कंपनी का विरोध किया था। भाटी ने ओरण बचाओ के नाम से एक दिन का धरना भी गांव में लगाया था। ऐसे में सरपंच ने कलेक्टर को गुरुवार को ज्ञापन देकर स्थित स्पष्ट करते हुए कंपनी का काम जल्द से जल्द शुरू करवाने की मांग की है। गौरतलब है कि बईया गांव में हाल ही अडानी सोलर कंपनी द्वारा सोलर प्रोजेक्ट का काम शुरू करवाने पर शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी ने ओरण बचाने को लेकर विरोध किया था। जिसके बाद कंपनी का काम बंद हो गया। इसी के विरोध में सरपंच ने कलेक्टर को ज्ञापन देकर काम को दुबारा शुरू करवाने की मांग की। सरपंच के पिता खेत सिंह ने बताया- कुछ बाहरी लोगों व असामाजिक तत्वों द्वारा इस तरह की गतिविधियों से कम्पनी पर अनुचित दबाव दे कर अपने निजी हितों (स्वार्थ) को साधना चाहतें हैं। किन्तु हम इनका पूर्णतया विरोध करते है व इस सोलर पावर प्रोजेक्ट के साथ जुड़ कर गांव, राज्य व देश के विकास में अपना योगदान देना चाहते हैं।

कंपनी और राजस्व अधिकारियों के सहयोग से ओरण गोचर की भूमि रखेंगे प्रोजेक्ट से मुक्त

कलेक्टर को ज्ञापन देकर बताया हैं कि गांवों में जहां पर तालाब, नाडी व मौका ओरण जो की राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज नही है उसको हम स्वंय कम्पनी से बात कर, पटवारी व आर आई व तहसीलदार के सहयोग से उस भूमि को कम्पनी से छोडने का आग्रह करेगें। जो भूमि मौका ओरण व गोचर भूमि होगी उसको कम्पनी के अधिकारियों से निवेदन करके मुक्त करवाया जाएगा। ज्ञापन में कलेक्टर को जल्द से जल्द सुरक्षा मुहैया करवा कर काम शुरू करवाने की मांग की गई।

गुरुनानक देव समाजक्रांति एवं धर्मक्रांति के पुरोधा

ललित गर्ग

गुरु नानक देव की शिक्षाएं आज अधिक प्रासंगिक हैं क्योंकि उन्होंने मानवता और सत्कर्म को सबसे बड़ा धर्म बताया था। उन्होंने समाज में कई बदलाव लाने का काम किया, उन्होंने स्त्रियों को पुरुषों के साथ बराबरी का दर्जा दिया और वैवाहिक जीवन को पवित्र माना। उन्होंने कहा कि विद्यालय में सभी धर्म, जाति, और सम्प्रदाय के लोगों को समान रूप से शिक्षा दी जानी चाहिए। उन्होंने आडंबर और अंधविश्वासों का खंडन किया और ईश्वर की प्रत्यक्ष भक्ति पर जोर दिया।

भारतीय संस्कृति में गुरु नानकदेव एक महान पवित्र आत्मा थे, वे ईश्वर के सच्चे प्रतिनिधि थे। सिख धर्म के दस गुरुओं की कड़ी में प्रथम हैं गुरु नानक। अणु को विराट के साथ एवं आत्मा को परमात्मा के साथ एवं आत्मज्ञान को प्राप्त करने के एक नए मार्ग की परंपरा का सूत्रपात गुरुनानक ने किया है, यह किसी धर्म की स्थापना नहीं थी। उन्होंने परम सत्ता या संपूर्ण चेतन सत्ता के साथ तादात्म्य स्थापित करने का मार्ग बताया। यही वह सार्वभौम तत्व है, जो मानव समुदाय को ही नहीं, समस्त प्राणी जगत को एकता के सूत्र में बांधे हुए हैं। इसी सूत्र को अपने अनुयायियों में प्रभावी ढंग से सम्प्रेषित करते हुए 'सिख' समुदाय के प्रथम धर्मगुरु नानक देव ने मानवता एवं सर्वधर्म सद्भाव का पाठ पढ़ाया। उन्होंने समाज में आपसी प्रेम और भाईचारे को बढ़ाने के लिए लंगर परंपरा की शुरूआत की थी, जहां गरीब-राजा, ऊंच-नीच सभी लंगर खाते थे। उन्होंने 'निर्गुण उपासना' पर जोर दिया और उसका ही प्रचार-प्रसार किया। वे मूर्ति पूजा नहीं करते थे और न ही मानते थे। ईश्वर एक है, वह सर्वशक्तिमान है, वही सत्य है, इसमें ही नानक देव का पूरा विश्वास था। उनका धर्म और अध्यात्म लौकिक तथा पारलौकिक सुख-समृद्धि के लिए श्रम, शक्ति, भक्ति एवं मनोयोग के सम्यक नियोजन की प्रेरणा देता है।

गुरु नानक देव की शिक्षाएं आज अधिक प्रासंगिक हैं क्योंकि उन्होंने मानवता और सत्कर्म को सबसे बड़ा धर्म बताया था। उन्होंने समाज में कई बदलाव लाने का काम किया, उन्होंने स्त्रियों को पुरुषों के साथ बराबरी का दर्जा दिया और वैवाहिक जीवन को पवित्र माना। उन्होंने कहा कि विद्यालय में सभी धर्म, जाति, और सम्प्रदाय के लोगों को समान रूप से शिक्षा दी जानी चाहिए। उन्होंने आडंबर और अंधविश्वासों का खंडन किया और ईश्वर की प्रत्यक्ष भक्ति पर जोर दिया। उन्होंने अंतर-धार्मिक सद्भाव को बढ़ावा देने के लिए संवादों का महत्व बताया और निस्वार्थ सेवा को बढ़ावा देते हुए करुणा, परोपकारिता और जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा दिया।

गुरुनानक का जन्म 1469 में लाहौर के निकट तलवंडी में हुआ था। दीपावली के पन्द्रह दिन बाद कार्तिक पूर्णिमा को जन्में गुरु नानक देव सर्वधर्म सद्भाव की प्रेरक मिसाल है। उनके जन्म दिन को हम प्रकाश पर्व, गुरु पर्व, गुरु पूरब भी कहते हैं। वे अपने व्यक्तित्व में दार्शनिक, योगी, गृहस्थ, धर्म-सुधारक, समाज सुधारक, कवि, देशभक्त एवं

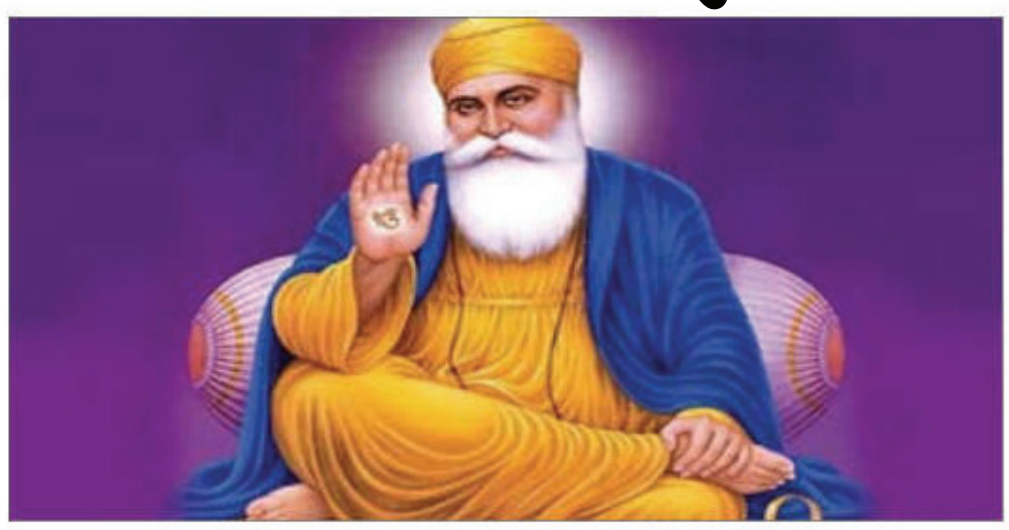

विश्वबंधु - सभी गुणों को समेटे हैं। उनमें प्रखर बुद्धि के लक्षण बचपन से ही दिखाई देने लगे थे। वे किशोरावस्था में ही सांसारिक विषयों के प्रति उदासीन हो गये थे। गुरुनानक देव एक महापुरुष व महान धर्म प्रवर्तक थे जिन्होंने विश्व से सांसारिक अज्ञानता को दूर कर आध्यात्मिक शक्ति को आत्मसात करने हेतु प्रेरित किया। उनका कथन है- रैन गवाई सोई कै, दिवसु गवाया खाय। हीरे जैसा जन्मु है, कौड़ी बदले जाय। उनकी दृष्टि में ईश्वर सर्वव्यापी है और यह मनुष्य जीवन उसकी अनमोल देन है, इसे व्यर्थ नहीं गंवाना चाहिए। उन्हें हम धर्मक्रांति के साथ-साथ समाजक्रांति का प्रेरक कह सकते हैं। उन्होंने एक तरह से सनातन धर्म को ही अपने भीतरी अनुभवों से एक नये रूप में व्याख्यायित किया।

गुरु नानकजी ने गुलामी, नस्लीय भेदभाव, और लिंगभेद की निंदा की। वे कहते थे कि पैसे हमेशा जेब में होने चाहिए, हृदय में नहीं। मनुष्य को लोभ का त्याग करना चाहिए और सदैव परिश्रम से धन कमाना चाहिए। वे बचपन से ही कुशाग्र बुद्धि के थे। आपके स्वभाव में चिंतनशीलता थी तथा आप एकांतप्रिय थे। आपका मन स्कूली शिक्षा की अपेक्षा साधु-संतों व विद्वानों की संगति में अधिक रमता था। बालक नानक ने संस्कृत, अरबी व फारसी भाषा का ज्ञान घर पर रहकर ही अर्जित किया। इनके पिता ने जब पुत्र में सांसारिक विरक्ति का भाव देखा तो उन्हें पुनः भौतिकता की ओर आसक्त करने के उद्देश्य से पशुपालन का कार्य सौंपा। फिर भी नानकदेव का अधिकांश समय ईश्वर भक्ति और साधना में व्यतीत होता था।

नानक के बचपन में ही अनेक अद्भुत घटनाएँ घटित हुईं जिनसे लोगों ने समझ लिया कि नानक एक असाधरण बालक है। कहते हैं कि नानकदेवजी से ही हिंदुस्तान को पहली बार हिंदुस्तान नाम मिला। लगभग 1526 में जब बाबर द्वारा देश पर हमला करने के बाद गुरु नानकदेवजी ने कुछ शब्द कहे थे तो उन शब्दों में पहली बार हिंदुस्तान शब्द का उच्चारण हुआ था- खुरासान खसमाना कीआ हिंदुस्तान डराईआ। एक और घटना है- नानक ग्रीष्म ऋतु की चिलचिलाती धूप में किसी ग्राम में गए। वहाँ वे गर्मी से बेहाल विश्राम करने के लिए बैठ गए। उन्हें कब नींद आ गई पता ही नहीं चला क्योंकि एक बड़े सर्प ने अपना फन फैलाकर उन्हें छाया प्रदान कर दी थी। गाँववाले यह दृश्य देखकर स्तब्ध रह गए। गाँव के मुखिया ने उन्हें देवस्वरूप समझकर प्रणाम किया। तभी से नानक के नाम के आगे 'देव' शब्द जुड़ गया। वे कालांतर में 'गुरु नानकदेव' के नाम से विख्यात हुए। उनका उद्देश्य भी भारतीय धर्म और संस्कृति की रक्षा करना ही था। गुरुनानक देव का जीवन सदैव समाज के उत्थान में बीता। गुरुनानक देव जी ने न केवल शिक्षाएं दीं, बल्कि स्वयं भी इसका पालन किया। उन्होंने करतारपुर साहिब में बिताए अपने जीवन के आखिरी 18 वर्षों में खेतों में हल चला कर यह बताया कि हर इंसान को अपने जीवन में मेहनत करनी चाहिए। एक अन्य रोचक घटना में उनके पिता ने उन्हें गृहस्थ आश्रम की ओर ध्यानाकर्षित करने के लिए तत्कालीन नबाव लोदी खाँ के यहाँ नौकरी दिलवा दी। वहाँ उन्हें भंडार निरीक्षक की नौकरी प्राप्त हुई। परंतु नानक वहाँ भी साधु-संतों पर बेहिसाब खर्च करते रहे। इसकी शिकायत नवाब तक पहुँची तब उसने नानक के खिलाफ जाँच के आदेश दे दिए। परंतु आ□□र्य की बात यह थी कि उस जाँच में कोई कमी नहीं पाई गई। एक बार नानकदेव भ्रमण के दौरान मक्का पहुँचे। वह थकान के कारण काबा की ओर पैर करके सो गए। जब वहाँ के मुसलमानों ने यह दृश्य देखा तो वे अत्यधिक क्रोधित हुए। चमत्कार उस समय घटित हुआ जब लोग उनका पैर जिस दिशा में करते उन्हें उसी दिशा में काबा के दर्शन होते। यह देखकर सभी ने उनसे श्रद्धापूर्वक क्षमा माँगी।

गुरु नानक देव ने 'गुरुग्रंथ साहब' नामक ग्रंथ की रचना की । यह ग्रंथ पंजाबी भाषा और गुरुमुखी लिपि में है । इसमें कबीर, रैदास व मलूकदास जैसे भक्त कवियों की वाणियाँ सम्मिलित हैं। 70 वर्षीय गुरुनानक सन् 1539 ई॰ में अमरत्व को प्राप्त कर गए। श्री गुरुनानक देवजी के सबसे निकटस्थ शिष्य मरदाना को माना जाता है जो कि जाति से मुसलमान थे। आप देखिये नानक देवजी के तप का प्रभाव कि मरदाना ने अपना पूरा जीवन गुरुनानकजी के सेवा में गुजारा। सैकडों साल पुराने सामाजिक सच, आज के सच हों, यह जरूरी नहीं है। अतः सत्य की खोज के लिए गतिशीलता एवं विवेक की अपेक्षा है। उन्होंने परम चक्षु-अंतर्दृष्टि को जगा और श्रेष्ठताओं के संवर्धन हेतु विशिष्ट पराक्रम किया। इसका तात्पर्य यह है कि आध्यात्मिक विकास हेतु विवेकयुक्त पुरुषार्थ की नितांत अपेक्षा रहती है। एक बार कुछ लोगों ने गुरुनानक देव से पूछा कि हमें यह बताइए कि आपके अनुसार हिंदू बड़ा है या मुसलमान तो गुरु साहिब ने उत्तर दिया, □□अवल अल्लाह नूर उपाइया कुदरत के सब बंदे, एक नूर से सब जग उपजया कौन भले कौन मंदे□□ यानी सब इंसान ईश्वर के पैदा किए हुए हैं, न तो हिंदू कहलाने वाला भगवान की नजर में कबूल है, न मुसलमान कहलाने वाला। रब की निगाह में वही बंदा ऊंचा है जिसका अमल नेक हो, जिसका आचरण सच्चा हो। इस तरह गुरुनानक देव सच्चे गुरु एवं परमात्मा स्वरूप हैं।

संपादकीय

ट्रंप का भारत प्रेम

अमेरिका में राष्ट्रपति बनने जा रहे ड़ोनाल्ड़ ट्रंप ने अपनी टीम का गठन करना शुरू कर दिया है। अभी तक जिनको जिम्मेदारी सौंपी गई है, उससे जाहिर होता है कि अमेरिका की घरेलू और विदेश नीति में बड़े. बदलाव हो सकते हैं। दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति ईलान मस्क और भारतवंशी उद्योगपति विवेक रामास्वामी ड़िपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी का नेतृत्व करेंगे। यह नया विभाग है जिसे ट्रंप ने □□सेव अमेरिका' अभियान के लिए जरूरी बताया है। ट्रंप के मुताबिक, यह विभाग नौकरशाही, अतिरिक्त नियम-कानून को खत्म करने, अनावश्यक खर्चों में कटौती करने और संघीय एजेंसियों के पुनर्गठन का काम करेगा। विवेक परंपरावादी और शाकाहारी हिन्दू हैं। उन्होंने

अमेरिका की वर्तमान विभाजनकारी राजनीति और आंतरिक संघर्ष से उबरने के लिए 10 सूत्री गुरूमंत्र दिया था। उनका मानना है कि नौकरशाही के दबदबे के लिए कोईस्थान नहीं है और संघीय जांच एजेंसी एफबीआई को भंग करने की बात कही थी। विवेक रामास्वामी को ट्रंप ने देशभक्त अमेरिकी बताया है। फ्लोरिड़ा के भारत समर्थक सीनेटर मार्को रूबियो को विदेश मंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई है। रूबियो की छवि भारत समर्थक और चीन-विरोधी है। वे चीन के सामान पर टैक्स बढ़ाए जाने की मांग कर चुके हैं। मांग स्वीकार कर ली जाती है तो चीन के खिलाफ बड़ा रणनीतिक कदम होगा और जिसका अमेरिका सहित यूरोपीय देशों पर विपरीत असर पड़ेगा। रूबियो ने इस साल सीनेट में एक विधेयक पेश किया था जिसका मजमून भारत-अमेरिकी संबंध मजबूत करना और आतंकवाद के प्रसार के कारण पाकिस्तान को सुरक्षा मदद रोकना था। भारत समर्थक और चीन विरोधी रुख रखने वाले फ्लोरिड़ा के सांसद माइक वॉल्टज को राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार नियुक्त किया गया है। वह ईंड़िया कॉक्स समूह से जुड़े.हैं जो भारत-अमेरिका के संबंधों को मजबूत करने की वकालत करता है। ट्रंप प्रशासन में भारतीय मूल और भारत समर्थक लोगों को शामिल किए जाने से जाहिर होता है कि दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी और मजबूत होगी। लेकिन ट्रंप चीन के प्रति क्या रुोख अपनाते हैं, यह देखने वाली बात होगी। वह चीन को अमेरिका के लिए सबसे बड़ी चुनौती मानते हैं और विदेश मंत्री बनाए गए मार्को रूबियो सार्वजनिक तौर पर कह चुके हैं कि हिन्द-प्रशांत क्षेत्र में चीन अशांति फैलाने का दोषी है। इससे अनुमान लगाया जा सकता है कि ट्रंप प्रशासन चीन के प्रति सख्त रवैया अपना सकता है।

चिंतन-मनन

उपाय भी ठीक से हो

एक सास ने बहू से कहा, बहूरानी! मैं अभी बाहर जा रही हूं। एक बात का ध्यान रहे, घर में अंधेरा न घुसने पाए। बहू बहुत भोली थी। सास चली गई, सांझ होने को आई। उसने सोचा कि अंधेरा कहीं घुस न जाए, सारे दरवाजे बंद कर दिए। सब खिड़कियां बंद कर दीं। दरवाजे के पास लाठी लेकर बैठ गई। सोचा- दरवाजा खुला नहीं है, कोई खिड़की खुली है, कहीं भी कोई छेद नहीं। आएगा तो दरवाजा खटखटाएगा, लाठी लिए बैठी हूं, देखती हूं कैसे अन्दर आएगा। पूरी व्यवस्था कर दी। अंधेरा गहराने लगा। सोचा, कहां से आ गया! कहीं भी तो कोई रास्ता नहीं है। हो न हो दरवाजे से ही आ रहा है। अन्धकार को पीटना शुरू कर दिया। काफी पीटा कि निकल जाओ मेरे घर से! मेरी सास की मनाही है कि तुम्हें भीतर घुसना नहीं है! खूब लाठियां बजाई। लाठी टूटने लगी। हाथ छिल गए। लहूलुहान हो गए। अंधेरा तो नहीं गया। परेशान हो गई।

सास आई। दरवाजा खोला। कहा, यह क्या किया? मैंने कहा था कि अंधेरे को मत आने देना घर में। वह बोली, देखो, मेरे हाथ देख लो। लहूलुहान हो गए। लाठी टूट गई। मैंने बहुत समझाया, बहुत रोका, पर इतना जिद्दी है कि माना ही नहीं और यह तो घुस ही गया। सास ने सिर पर हाथ रखा। कहा, बहूरानी! अंधेरे को ऐसे मिटाया जाता है? क्या अंधेरा ऐसे मिटता है? समझी नहीं तुम बात को। सास ने दीया जलाया, अंधेरा समाप्त हो गया। उपाय के बारे में हमारी जानकारी सही नहीं होती तो हम प्रयत्न तो करते हैं, परिश्रम करते हैं, पर अंधेरा मिटता नहीं।

भगवान बिरसा मुंडा की 149वीं जयंती : एक ऐतिहासिक प्रेरणा

डॉ. कुंवर विजय शाह

भारत के समृद्ध इतिहास में भगवान बिरसा मुंडा का नाम एक ऐसे वीर योद्धा और समाज-सुधारक के रूप में अंकित है, जिन्होंने अपने जीवन को जनजातीय समाज की उन्नति और उनके अधिकारों के लिए समर्पित कर दिया। देश में हर साल 15 नवम्बर को उनकी जयंती पर भारत में राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस मनाया जाता है। यह दिन न केवल उनकी शहादत और योगदान को याद करने का है, बल्कि यह जनजातीय समुदाय की प्राचीन सांस्कृतिक विरासत, अनवरत संघर्ष और स्वाभिमान का उत्सव भी है।

भगवान बिरसा मुंडा का जीवन और उनका संघर्ष

बिरसा मुंडा जी का जन्म 15 नवम्बर 1875 को झारखंड के उलीहातू गांव में एक साधारण मुंडा परिवार में हुआ था। उनका जीवन बेहद कठिनाइयों से भरा था और उन्हें बाल्यावस्था से ही आर्थिक संघर्षों का सामना करना पड़ा। सामाजिक असमानता, अत्याचार और विदेशी शासकों द्वारा जनजातियों पर निरंतर हो रहे शोषण ने बिरसा मुंडा के अंतर्मन को विद्रोह की भावना से भर दिया। उन्होंने अंग्रेजों द्वारा लागू जमींदारी प्रथा, धर्मांतरण और जनजातियों के पारम्परिक जीवन पर हो रहे अत्याचारों के खिलाफ संघर्ष किया।

उलगुलान आंदोलन का नेतृत्व

बिरसा मुंडा जी ने उलगुलान नामक जनजातीय विद्रोह का नेतृत्व किया, जो अंग्रेजी शासन और उनके द्वारा किए जा रहे अत्याचार के खिलाफ था। उलगुलान का अर्थ है महान विद्रोह। इस आंदोलन का उद्देश्य अंग्रेजों द्वारा लागू की गई भूमि नीतियों, जबरन धर्मांतरण और जनजातियों की पारम्परिक जीवनशैली में दखल देने वाले कानूनों के खिलाफ आवाज उठाना था। भगवान बिरसा मुंडा के नेतृत्व में इस आंदोलन ने पूरे क्षेत्र में जनक्रांति की लहर पैदा कर दी और उन्हें धरती आबा या धरती पिता या धरा पितृ के रूप में सम्मानित किया जाने लगा।

भगवान बिरसा मुंडा का समाज सुधारक के रूप में योगदान

भगवान बिरसा मुंडा केवल एक स्वतंत्रता सेनानी ही नहीं, बल्कि एक महान समाज सुधारक भी थे। उन्होंने तत्कालीन जनजातीय समाज में व्याप्त कुरीतियों जैसे अंध-विश्वास, जाति-भेद, नशाखोरी, जातीय संघर्ष और अन्य सामाजिक बुराइयों के खिलाफ जागरूकता फैलाई। उन्होंने अपने अनुयायियों को शिक्षा का महत्व समझाया और उन्हें एकता में रहने का संदेश दिया। बिरसा मुंडा ने बिरसाइत नामक एक धार्मिक आंदोलन भी चलाया, जिसमें उन्होंने अपने अनुयायियों को आचार-विचार की शुचिता, सादगी और सत्य के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया।

राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस की स्थापना

वर्ष 2021 में केन्द्र सरकार ने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती 15 नवंबर को राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस के रूप में घोषित किया। इसका उद्देश्य भगवान बिरसा मुंडा और अन्य जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान का सम्मान करना है। इस दिन देशभर में जनजातीय समाज की सांस्कृतिक धरोहर, उनकी परंपराओं और उनके गौरवशाली इतिहास को समझने और सम्मानित करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। यह दिवस जनजातीय समाज के संघर्षों और उनके योगदान को याद करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है।

बिरसा मुंडा का भारतीय स्वातंत्र्य आंदोलन में योगदान

भारतीय स्वातंत्र्य आंदोलन में भगवान बिरसा मुंडा का योगदान अतुलनीय है। वे न केवल अपने क्षेत्र की जनजातियों के नेता थे, बल्कि उनके संघर्ष और बलिदान ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम को भी एक नई दिशा दी। उनके उलगुलान आंदोलन ने अन्य जनजातीय समुदायों को भी संगठित किया और स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय भागीदारी करने की प्रेरणा दी।

भगवान बिरसा मुंडा मात्र 24 साल 7 महीने की अल्पायु में 9 जून 1900 को वीरगति को प्राप्त हुए। उनकी विरासत आज भी जनजातीय समाज के दिलों में जीवित है और उन्हें एक महान क्रांतिकारी जननायक के रूप में याद किया जाता है।

राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस का महत्व

राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस का महत्व केवल बिरसा मुंडा जी के योगदान को याद करने तक सीमित नहीं है। यह जनजातीय समाज की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पहचान का जश्न मनाने का भी दिन है। जनजातीय समाज ने भारत के इतिहास में अहम भूमिका निभाई है। यह गौरव दिवस उनकी सांस्कृतिक धरोहर, संघर्षों और उपलब्धियों का सम्मान करता है। यह अवसर सभी भारतीयों को यह याद दिलाने का भी है कि जनजातीय समाज भारत की संस्कृति का एक महत्वपूर्ण व अभिन्न हिस्सा है और उनके योगदान को हमें सदैव संजोकर रखना चाहिए।

भगवान बिरसा मुंडा का जीवन प्रेरणा का स्रोत है, जो हमें साहस, संघर्ष और सामाजिक न्याय के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का संदेश देता है। राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस हमें उनकी शिक्षाओं, राष्ट्रप्रेम और उनके संघर्ष को याद करने और जनजातीय समाज के अधिकारों और सम्मान के प्रति संवेदनशील बने रहने के लिए प्रेरित करता है। जनजातीय समाज के स्वाभिमान और उनके अधिकारों की रक्षा में भगवान बिरसा मुंडा का योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस उनके प्रति हमारी कृतज्ञता, आदर और श्रद्धांजलि का प्रतीक है।

(लेखक मध्यप्रदेश के जनजातीय कार्य मंत्री हैं।)

पाकिस्तान का नया दांव है डिजिटल घुसपैठ

भारत एक ऐसा देश है जो सदियों से पंचशील के सिद्धांतों का पालन करता आया है। एशिया और अफ्रीका के विभिन्न देशों के गुलामी की जंजीरों से मुक्त होने के बाद उनके समक्ष अनेक प्रकार की चुनौतियां विद्यमान थीं जैसे कि अपनी आजादी को स्थायित्व प्रदान करने, विकास की प्रक्रिया को निरंतर आगे बढ़ाने, अपनी संप्रभुता की रक्षा करने, अपनी राजनीतिक सीमाओं की रक्षा करने और अंतरराष्ट्रीय राजनीति का शिकार होने से बचने जैसी अनेक चुनौतियां विद्यमान थी, भारत भी इनमें से एक रहा है और इसी क्रम में भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने पंचशील के सिद्धांतों को अपनाया था। वास्तव में भारत द्वारा यह सिद्धांत मूल रूप से अपने चिर-परिचित पड़ोसी चीन द्वारा उत्पन्न की जाने वाली भावी चुनौतियों से निपटने के लिए अपनाया गया था लेकिन न केवल चीन बल्कि पाकिस्तान व अन्य देशों के साथ आज भी भारत पंचशील सिद्धांतों का अनवरत पालन करते हुए विश्व को लगातार शांति,संयम,आपसी सौहार्द, मेल-मिलाप को वरीयता देते हुए काम कर रहा है।

उल्लेखनीय है कि एक दूसरे की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के प्रति सम्मान, सहयोगात्मक अहिंसा, घरेलू मामलों में सहयोगात्मक अहस्तक्षेप, पारस्परिक लाभ के लिए न्याय और सहयोग, तथा शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व पंचशील समझौते के प्रमुख सिद्धांत हैं। वास्तव में, पंचशील सिद्धांतों के माध्यम से ऐसे नैतिक मूल्यों का समुच्चय तैयार करना था, जिन्हें प्रत्येक देश अपनी विदेश नीति का हिस्सा बना सके और एक शांतिपूर्ण वैश्विक व्यवस्था का निर्माण कर सके, लेकिन आज पाकिस्तान भारत के जम्मू कश्मीर में लगातार यहां की शांति, सौहार्द को भंग करने में लगा हुआ है। कहना गलत नहीं होगा कि भारत ने पाकिस्तान के प्रति सदैव एक बहुत ही सुसंगत और सैद्धांतिक नीति का पालन किया है, अर्थात: अपनी □□पड़ोसी पहले नीति□□ को ध्यान में रखते हुए, भारत पाकिस्तान के साथ आतंक, शत्रुता और हिंसा से मुक्त वातावरण में सामान्य पड़ोसी संबंध चाहता है।

सच तो यह है कि भारत किसी भी मुद्दे को द्विपक्षीय और शांतिपूर्ण तरीके से हल करने के लिए हमेशा से प्रतिबद्ध है। यहां तक कि भारत ने रूस-यूक्रेन युद्ध के संबंध में भी समय-समय पर दोनों देशों से शांति, सौहार्द,संयम व आपसी बातचीत से आपसी मुद्दों को सुलझाने की अपील की है। भारत कभी भी किसी भी देश के साथ हिंसा व युद्ध नहीं चाहता है और वह शांति और संयम का पुरजोर समर्थक है। आज पाकिस्तान भारत के जम्मू कश्मीर व घाटी की शांति, सौहार्द भंग करने के लिए लगातार आतंकियों व आतंकवाद का सहारा ले रहा है क्योंकि वह भारत से प्रत्यक्ष लड़ाई करने की स्थिति में नहीं है, इसलिए वह चोरी-छिपे अमेरिका, चीन जैसे देशों की मदद से (हथियार, गोला-बारूद) भारत में समय-समय पर अशांति फैलाने की फिराक में रहता है और अब इसी क्रम में धारा-370 हटने के बाद वह बुरी तरह से तिलमिला उठा है और आतंकवाद के लिए नये-नये हथकंडे अपना रहा है। कहना गलत नहीं होगा कि डिजिटल घुसपैठ वर्तमान में पाकिस्तान का एक नया पैंतरा है और वह डिजिटल घुसपैठ के जरिए लगातार भारत में अशांति, उपद्रव और हिंसा फैलाने की फिराक में है। पाकिस्तान स्थित विभिन्न आतंकवादी समूह आज डिजिटल यानी कि विभिन्न आनलाइन गतिविधियों के जरिए भारत विरोधी भावनाओं को बढ़ावा देने में लिप्त है हालांकि भारतीय सुरक्षा एजेंसियां, हमारे देश की साइबर टीम और हमारे तमाम सुरक्षा बिल इसको लेकर पहले से ही बहुत सतर्क और मुस्तैद हैं। बावजूद इसके भारत को पाकिस्तान द्वारा की जा रही डिजिटल घुसपैठ को रोकने के लिए और बड़े कदम उठाने की जरूरत इसलिए है क्योंकि आज का जमाना सूचना क्रांति का है। आनलाइन माध्यमों से पलों में भारत विरोधी कंटेंट को इधर से उधर पहुंचाया जा सकता है। आज पाकिस्तान डिजिटल गतिविधियों के जरिए नफरत फैलाने वाले भाषणों, चरमपंथी कंटेंट को लगातार बढ़ावा देने में लगा है. हमारी सुरक्षा एजेंसियों को इसे रोकने के लिए मिलकर एकजुट होकर काम करना होगा और चरमपंथी कंटेंट,नफरती भाषणों के आडियो-विडियो को तेजी से पहचानना होगा। हमें हमारे देश में तकनीकों को और अधिक विकसित व समृद्ध करने की जरूरत है। आज इंटरनेट और सोशल मीडिया की हर कहीं बहुत व्यापक व आसान पहुंच है। आज इंटरनेट व सोशल मीडिया के जरिए पाकिस्तान के आतंकी संगठन क□□रपंथी कंटेंट, नफरती भाषणों को फैलाने का ही काम नहीं कर रहे हैं, बल्कि मीडिया में आई खबरें बतातीं हैं कि वे नये लोगों का रिक्रूटमेंट तक कर रहे हैं। सच तो यह है कि इंटरनेट के माध्यम से आज पाकिस्तान आभासी क□□रपंथ पैदा कर रहा है। इससे विशेषकर जम्मू-कश्मीर व घाटी में शान्ति व्यवस्था बाधित हो सकती है। इसके लिए हमें एक मजबूत नेटवर्क के साथ ही इन सभी पर कड़ी निगरानी रखने की जरूरत है। मीडिया, साइबर क्राइम आदि के बारे में आम लोगों को ज्यादा से ज्यादा जागरूक व सचेत करने की जरूरत है। हमें देश से बेरोजगारी, गरीबी को भी दूर करना होगा क्योंकि बेरोजगार व गरीब युवा बहुत बार इनके चक्कर में आ जाते हैं और फिर इससे निकलने का रास्ता उन्हें नहीं सूझता है। हमें देश में विकास को बढ़ावा देना होगा, शिक्षा का उजियारा सब तक फैलाना होगा। इतना ही नहीं, हमें हमारे देश में सहयोगात्मक ऑनलाइन पुलिसिंग को भी बढ़ाना होगा। तकनीकी विकास तो करना ही होगा ताकि ऐसे क□□रपंथी कंटेंट पर लगाम लगाई जा सके। डिजिटल घुसपैठ(क□□रपंथी कंटेंट) किसी भी राज्य, संस्थाओं और नागरिकों को विभाजित कर सकती है, हिंसा फैला सकती है। डिजिटल घुसपैठ अराजकता और झूठी सूचनाएं फैला सकती है। यहां यह कहना गलत नहीं होगा कि डिजिटल घुसपैठ और वास्तविक दुनिया का आतंकवाद दोनों ही खतरे पैदा करते हैं। पाकिस्तान के प्रसिद्ध अंग्रेजी अखबार डॉन के हवाले से यह खबर आई थी कि पाकिस्तान इंटरनेट पहुंच और डिजिटल गवर्नेंस के मामले में दुनिया के सबसे खराब प्रदर्शन करने वाले देशों में से एक है। बावजूद इसके पाकिस्तान के आतंकी संगठन डिजीटल घुसपैठ करने में कामयाब हो रहे हैं। एक रिपोर्ट में खुलासा किया गया है कि पाकिस्तान में इंटरनेट की पहुंच में वृद्धि के बावजूद लगभग 15 प्रतिशत आबादी के पास अभी भी इंटरनेट और मोबाइल या दूरसंचार सेवाओं तक पहुंच नहीं है, तो ऐसा कैसे संभव हो पा रहा है कि वहां स्थित आतंकी संगठन डिजिटल घुसपैठ कर पा रहे हैं. भारत को इन सभी कारणों का पता लगाने के लिए पूरी तह में जाने की जरूरत है और इस पर अंकुश लगाने की दिशा में प्रभावी कदम उठाने की भी सख्त जरूरत है। तभी हम डिजिटल घुसपैठ कर लगाम लगा पाएंगे और अपने देश को तरक्की, प्रगति व उन्नयन के पथ पर अग्रसर करते हुए अपने भारत को सपनों का भारत बना पाएंगे।

सुनील कुमार महला

नेता की दबंगई और अफसर के साथ थप्पड़ कांड..

एक निर्दलीय ने कर दिया प्रदेश का माहौल खराब!

समर्थकों का जमकर बवाल, कई जगहों पर की आगजनी

जयपुर-अजमेर से बुलाई गई फोर्स

देवली-उनियारा में निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा द्वारा एसडीएम को थप्पड़ मारने के बाद शुरू हुआ बवाल गिरफ्तारी के बाद चरम पर

- बवाल में 50 से अधिक लोग घायल; 60 उपद्रवी हिरासत में
- गिरफ्तारी सो पहले भी नहीं बदले मीणा के तेवर

मीणा समर्थकों ने ट्रैक्टर और ट्रकों के पहियों को रोड पर रखकर उसमें लगाई आग

बोला- एसडीएम के सिर पर नहीं लिखा कि वह जाट है या मीणा, मुझे दुख है कि उसे एक ही थप्पड़ पड़ी

टोंक/जयपुर।

टोंक जिले के देवली-उनियारा में निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा द्वारा एसडीएम को थप्पड़ मारने के बाद शुरू हुआ बवाल गुरुवार को चरम पर पहुंच गया। मीणा की गिरफ्तारी के बाद समर्थक भड़क गए जिससे एक बार फिर हंगामा शुरू हो गया। नरेश मीणा की गिरफ्तारी के विरोध में देवली-उनियारा के समरावता गांव की सड़क पर टायर जलाए गए और पुलिस की गाड़ियों को रोकने के लिए समर्थकों ने चक्काजाम कर दिया। उपद्रवियों ने पुलिस पर हल्का पथराव भी किया जिन्हें खदेड़ने के लिए पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर आंसू गैस के गोले भी छोड़े। इस दौरान पुलिस ने उसके कुछ समर्थकों को भी गिरफ्तार किया। बता दें कि बुधवार को मतदान के दौरान देवली-उनियारा विधानसभा के समरावता गांव में नरेश मीणा ने एसडीएम को थप्पड़ मार दिया था। जिसके बाद गुरुवार को करीब 12 बजे मीणा को गिरफ्तार किया गया। दरअसल, बुधवार को राजस्थान में 7 सीटों पर उपचुनाव के लिए मतदान हुआ। इनमें देवली-उनियारा विधानसभा भी शामिल थी। नरेश मीणा इस सीट से निर्दलीय चुनाव मैदान में है। मतदान के दौरान नरेश मीणा समरावता में एक पोलिंग बूथ पहुंच गया। इस दौरान किसी बात को लेकर उसकी अधिकारियों से बहस हो गई और उसने एसडीएम को थप्पड़ मार दिया। इसके कुछ घंटे बाद पुलिस ने नरेश मीणा को हिरासत में लिया तो उसके समर्थक भड़क गए। वे पुलिस हिरासत से मीणा को छुड़ाकर ले गए। रात में उसके समर्थकों ने सैकड़ों गाड़ियों में आग लगा दी। इधर, थप्पड़ कांड और उसके बाद आगजनी की घटना को लेकर गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने कहा- जो अपराध करेगा, उसके खिलाफ सरकार सख्त है। हम पूरे प्रकरण की जांच करवा रहे हैं। हम रिपोर्ट भी मांग रहे हैं। जो भी दोषी होगा, उनके खिलाफ कार्रवाई करेंगे।

गिरफ्तारी के तुरंत बाद ही शुरू हुई झड़पें, मीणा समर्थकों ने किया हाईवे जाम

नरेश मीणा को पुलिस ने उनके गांव से ही गिरफ्तार किया गया। इस बीच नरेश मीणा के समर्थक उनकी गिरफ्तारी से भड़क गए। इसके बाद पुलिस की पांच कंपनियां जयपुर और तीन कंपनियां अजमेर से बुलाई गई हैं। नरेश मीणा के समर्थकों ने गांव से निकलने वाले हाईवे को ब्लॉक कर दिया और पत्थरबाजी करते रहे। नरेश मीणा के समर्थकों ने रोड पर खड़े ट्रैक्टर और ट्रकों के पहियों को रोड पर रखकर उसमें आग लगा दी। हालांकि पुलिस के आने के बाद समर्थक वहां से भाग गए। पुलिस ने नरेश मीणा के समर्थकों को भगाने के लिए आंसू गैस के गोली भी छोड़े।

टोंक एसपी के अनुसार मीणा सरेंडर को नहीं था तैयार; पुलिस बल के बाद हिरासत में लिया गया

मामले को लेकर टोंक के एसपी विकास सांगवान ने कहा कि नरेश मीणा को हमने पहले कानून हाथ में न लेने और सरेंडर करने को कहा। उन्होंने कहा, पहली बार में सरेंडर करने के मूड में नहीं था लेकिन पुलिस बल को देखकर तैयार हो गया। इस मामले में 50 से 60 लोगों को हिरासत में लिया गया। नरेश मीणा अपने समर्थकों के साथ गांव में ही धरने पर बैठे हुए थे। वहीं पुलिस की ओर से लगातार लाउडस्पीकर से ऐलान किया गया कि कोई भी कानून अपने हाथ में ना ले।

उधर, मीणा लगा रहे बड़े आरोप, बोले-जाति देखकर नहीं पीटा; इसे तो दो पड़ने चाहिए

नरेश मीणा के आरोप के अनुसार एसडीएम ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और उनके पति को धमकाया कि अगर वोट नहीं डाला तो उनकी सरकारी नौकरी चली जाएगी। नरेश मीणा ने जिले की डीएम पर भी बड़ा आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जब थप्पड़ मैंने मारा तो मांग की थी कि कलेक्टर यहां पर आए, लेकिन वह नहीं आईं। नरेश मीणा ने कहा कि मेरे समर्थकों पर एसडीएम ने लाठी चार्ज करवाया। मीणा ने गिरफ्तारी से पहले ने कहा- इसे जाति से नहीं जोड़ा जाए। किसी अफसर की जाति नहीं होती, एसडीएम के सिर पर नहीं लिखा कि वह जाट है या मीणा। अगर वो मीणा होता तो भी पिटता। मैंने थप्पड़ मारी है, मुझे दुख है कि उसे एक ही थप्पड़ पड़ी है, उसे दो पड़नी चाहिए थी।

इस बीच नरेश मीणा की खुलेगी हिस्ट्रीशीट, अब जमानत होना मुश्किल

समरावता गांव में बवाल के बाद पुलिस ने नरेश मीणा का आपराधिक रिकॉर्ड खंगाला। इसमें पुलिस ने 7 मामले ऐसे बताए हैं, जिसमें जांच पूरी हो चुकी है और अब गिरफ्तारी बाकी है। नरेश मीणा के खिलाफ 15 से ज्यादा मामले लंबित हैं। 7 मामलों में जांच पूरी हो चुकी है और गिरफ्तारी बाकी है। अब पुलिस सब मामलों में गिरफ्तारी करेगी। नरेश मीणा के खिलाफ दर्ज सभी मामलों में अब प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। अब जमानत मिलना आसान नहीं है। रेंज डीआईजी ओमप्रकाश ने बताया- नरेश मीणा के खिलाफ अलग-अलग थानों में ये मामले दर्ज है और अन्य मामलों में भी वांटेड अपराधी है।

प्रतियोगी छात्रों के आंदोलन के आगे झुका आयोग, एक दिन में कराई जाएगी पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा

प्रयागराज ।

चार दिनों से आंदोलन पर बैठे छात्रों का बृहस्पतिवार को पुलिस की कार्रवाई के खिलाफ गुस्सा भड़का तो उत्तर प्रदेश लोकसेवा आयोग (यूपीपीएससी) को पीछे हटना पड़ा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर आयोग के सचिव को आंदोलनकारी छात्रों के बीच आकर घोषणा करनी पड़ी कि पीसीएस परीक्षा पूर्व की भांति एक दिन में कराई जाएगी। वहीं, आरओ/एआरओ परीक्षा के लिए समिति गठित कर दी गई है।

भारी शोर-शराबे के बीच सचिव की इस घोषणा से कई छात्रों के चेहरे पर खुशी झलक पड़ी तो ज्यादातर इससे असंतुष्ट दिखे। छात्र अड़े हैं कि आरओ/एआरओ प्रारंभिक परीक्षा भी पूर्व की भांति एक ही दिन में कराए जाने का नोटिस जारी किया जाए। वहीं, सचिव अशोक कुमार ने छात्रों को

समझाया कि एक दिन की परीक्षा कराने पर विचार करने के उद्देश्य से ही कमेटी का गठन किया गया है।

फिलहाल, आरओ/एआरओ प्रारंभिक परीक्षा को लेकर छात्रों और आयोग के बीच गतिरोध बना हुआ है। आयोग ने पीसीएस व आरओ/एआरओ प्रारंभिक परीक्षा की तिथि को लेकर भी स्थिति स्पष्ट नहीं की है। इससे पहले पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा सात व आठ दिसंबर और आरओ/एआरओ प्रारंभिक परीक्षा 22 व 23 दिसंबर को प्रस्तावित थी।

आयोग के अनुसचिव ओंकार नाथ सिंह के अनुसार आरओ/एआरओ प्रारंभिक परीक्षा-2023 के तहत चयन प्रक्रिया को पारदर्शी, गुणधर्मिता व शुचितापूर्ण ढंग से संपन्न कराए जाने के उद्देश्य से सभी तथ्यों का समेकित अनुसंधान एवं विश्लेषण के लिए आयोग ने समिति का गठन किया है। यह समिति सभी पहलुओं पर विचार कर अतिशीघ्र अपनी विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी।

आयोग के इस निर्णय से पहले बृहस्पतिवार सुबह 7.30 बजे के आसपास पुलिस ने धरना स्थल से कई अभ्यर्थियों को उठा लिया। पुलिस की कार्रवाई में कई छात्राओं को चोटें आईं।

फोन टैपिंग मामला

लोकेश शर्मा ने दिल्ली हाईकोर्ट से वापस ली याचिका, गिरफ्तारी पर लगी रोक हटी

जयपुर।

राजस्थान में पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के समय के फोन टैपिंग मामले को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के ओएसडी रहे लोकेश शर्मा ने दिल्ली हाईकोर्ट में एफआईआर को निरस्त करने के लिए लगाई याचिका वापस ले ली है। दिल्ली हाईकोर्ट ने याचिका वापस लेने की अनुमति दे दी है। हाईकोर्ट के निर्देश पर लोकेश शर्मा की गिरफ्तारी पर अब तक लगी रोक भी हट गई है। ऐसे में अब दिल्ली पुलिस लोकेश शर्मा को गिरफ्तार करने के लिए स्वतंत्र है।

गजेंद्र सिंह शेखावत की ओर से दर्ज प्राथमिकी को रद्द करने के लिए लगाई थी याचिका

लोकेश शर्मा का कहना है कि 25 सितंबर को पूछताछ के दौरान उन्होंने दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच को अपना बयान दर्ज करवा दिया है। इसके साथ ही सबूत भी सौंप दिए हैं। उनकी तरफ से जांच एजेंसी को बयान दर्ज करवाने के बाद हाईकोर्ट में दर्ज याचिका का कोई औचित्य नहीं रह गया था। उन्होंने अपने वकील नितिन सलूजा के जरिए याचिका वापस लेने की अर्जी लगा रखी थी। आज उस मामले में सुनवाई थी।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 20-22 नवंबर तक करेंगे लाओस दौरा, आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक में लेंगे भाग

नई दिल्ली ।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 20 से 22 नवंबर तक लाओस का दौरा करेंगे। वे यहां पर 11वीं आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक में भाग लेंगे। एडीएमएम-प्लस आसियान के सदस्य देशों में ब्रुनेई, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओ पीडीआर, मलयेशिया, म्यांमार, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड, वियतनाम हैं। इसके आठ संवाद साझेदार भारत, अमेरिका, चीन, रूस, जापान, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड हैं। आसियान सुरक्षा और रक्षा सहयोग को मजबूत करने का एक मंच है।

रिलायंस-डिज्नी का मर्जर, देश का सबसे बड़ा एंटरटेनमेंट प्लेटफॉर्म बना

नीता अंबानी चेयरपर्सन होंगी

मुंबई। डिज्नी स्टार इंडिया और रिलायंस का वॉयकॉम-18 अब एक हो गए हैं। इसमें डिज्नी हॉटस्टार और जियो सिनेमा भी शामिल है। इन दोनों कंपनियों ने गुरुवार, 14 नवंबर को इसका ऐलान किया। इस मर्जर के बाद ये देश का सबसे बड़ा एंटरटेनमेंट नेटवर्क बन गया है। डिज्नी-रिलायंस एंटरटेनमेंट के पास अब 2 ओवर द टॉप यानी, ओटीटी और 120 चैनल के साथ 75 करोड़ दर्शक हो गए हैं।

अपनी मांगें मनवाने के लिए पानी की टंकी-मोबाइल टावर पर चढ़ना पड़ेगा महंगा, पुलिस वसूलेगी खर्चा

जयपुर।

अपनी मांगों को लेकर पानी की टंकी और मोबाइल टावर पर चढ़कर प्रदर्शन करने के मामलों में राजधानी जयपुर के साथ ही प्रदेशभर में इजाफा हो रहा है। बीते दिनों जयपुर में ही दो अलग-अलग मामलों को लेकर युवा पानी की टंकी और मोबाइल टावर पर चढ़ गए थे। ऐसे मामलों में पुलिस जाप्ता और सिविल डिफेंस के वॉलिंटियर तैनात करने के साथ ही पुलिस प्रशासन के सामने कानून-व्यवस्था बिगड़ने की चिंता तो होती ही है, साथ ही सरकारी संपत्ति को नुकसान भी होता है।

ऐसे में अब पुलिस ऐसे मामलों में सख्ती से निपटने की तैयारी कर रही है। ऐसे लोगों के खिलाफ अब पुलिस कानूनी एक्शन तो लेगी ही। साथ ही घटनास्थल पर पुलिस बल तैनात होने पर उसका खर्चा भी वसूला जाएगा। जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ का कहना है कि अपनी मांगें मनवाने के लिए टंकी या मोबाइल टावर पर चढ़ने वाले लोग अपनी और दूसरों की जानमाल को तो खतरा पैदा करते ही हैं, कानून व्यवस्था की स्थिति भी बन जाती है। ऐसे में अब ऐसे मौकों पर पुलिस बल की तैनाती का खर्च जोड़कर नोटिस भेजने और खर्चा वसूल करने की तैयारी की जा रही है। एसआई भर्ती को रद्द करवाने की मांग को लेकर पिछले दिनों दो युवक जयपुर में पानी की टंकी पर चढ़ गए थे। काफी समझाइश के बावजूद भी वे नीचे नहीं उतरे। बाद में मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने मौके पर पहुंच कर उन्हें नीचे उतारा था। इसी तरह एक बच्ची की हत्या के मामले में सीबीआई जांच करवाने की मांग को लेकर दो युवक बीएसएनएल के टावर पर भी चढ़ गए थे।

वायु गुणवत्ता **दिल्ली में लगातार गिर रही एयर क्वालिटी, बढ़ा प्रदूषण**

दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण से मचा कोहराम, पूरा शहर बना गैस चैम्बर

- ग्रैप-3 की पाबंदियां अभी लागू करने पर विचार नहीं
- दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बताई वजह

नई दिल्ली।

दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण ने हाहाकार मचाया हुआ है, जिसे देखते हुए राजधानी में ग्रेडेड रेस्पॉन्स एक्शन प्लान का तीसरा चरण लागू कर दिया गया है। शुक्रवार सुबह 8 बजे यह लागू हो जाएगा। दिल्ली में हवा की गुणवत्ता बेहद खराब हो चुकी है और एक्यूआई 428 था। प्रदूषण की वजह से दिल्ली गैस चैम्बर बन चुकी है और सांस लेने तक में दिक्कतें हो रही हैं। पूरा शहर धुंध के आगोश में समाया हुआ है।

दिल्ली-NCR में कहां कितना AQI

स्थान	एक्यूआई	स्थिति
ओखला दिल्ली	551	बेहद गंभीर
पंजाबी बाग	545	बेहद गंभीर
आनंद विहार	521	बेहद गंभीर
आईटीआई शारदा दिल्ली	432	बेहद गंभीर
श्रीनिवासपुरी दिल्ली	405	बेहद गंभीर
नोएडा सेक्टर 62	357	बेहद गंभीर
नोएडा सेक्टर 1	258	खराब
गाजियाबाद	257	खराब
श्री अरबिंदो मार्ग	190	मध्यम

देश में सर्वाधिक खराब वायु गुणवत्ता दर्ज

पहले दिल्ली की वायु गुणवत्ता के 'गंभीर' श्रेणी में पहुंचने के एक दिन बाद पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने गुरुवार को कहा कि अगर स्थिति और खराब हुई तो सख्त प्रदूषण नियंत्रण उपाय लागू किए जायेंगे।।राय ने बिगड़ते हालात के लिए हवा की गति कम होने और तापमान में गिरावट को जिम्मेदार ठहराया।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबिक, सुबह नौ बजे दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 428 था, जो 'गंभीर' श्रेणी में आता है। दिल्ली में बुधवार को देश में सर्वाधिक खराब वायु गुणवत्ता दर्ज की गई, जो इस मौसम में पहली बार 'गंभीर' श्रेणी में पहुंच गई है।

पिछले दो दिनों में मौसम के मिजाज में बदलाव आया

राय ने कहा कि पिछले दो दिनों में मौसम के मिजाज में बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि शुक्रवार और शनिवार के बीच हवा की गति बढ़ने की उम्मीद है जो छह से 12 किलोमीटर प्रतिघंटे तक पहुंच जाएगी और इससे प्रदूषण के स्तर को कम करने में मदद मिलेगी। एक्यूआई 0-50 के बीच 'अच्छा', 51-100 के बीच 'संतोषजनक', 101-200 के बीच 'मध्यम', 201-300 के बीच 'खराब', 301-400 के बीच 'बहुत खराब' और 401-500 के बीच 'गंभीर' श्रेणी में माना जाता है। राय ने कहा, "हम प्रदूषण कम करने के लिए जारी सभी अभियानों और उपायों को मजबूत करेंगे।"

जातीय हिंसा के मद्देनजर केंद्र सरकार का बड़ा फैसला, मणिपुर के छह थाना क्षेत्रों में फिर से एएफएसपीए लागू

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने मणिपुर के छह थाना क्षेत्रों में फिर से सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम (अफस्पा) लागू कर दिया है। इस अधिनियम के तहत किसी क्षेत्र को 'अशांत' घोषित किया जाता है, जिससे सुरक्षा बलों को वहां प्रभावी रूप से कार्रवाई करने में सुविधा मिलती है। इन क्षेत्रों में जिरिबाम भी शामिल है, जहां हाल ही में हिंसा हुई थी।

इन छह थाना क्षेत्रों दोबारा अफस्पा लागू

केंद्रीय गृह मंत्रालय की एक अधिसूचना में कहा गया कि यह फैसला मणिपुर में जारी जातीय हिंसा और अस्थिर स्थिति को देखते हुए लिया गया है। अफस्पा को जिन क्षेत्रों

में फिर से लागू किया गया है, उनमें इंफाल पश्चिम जिले के सेकमई और लमसांग; इंफाल पूर्व जिले का लमसाई, जिरिबाम जिले का जिरिबाम; कांगपोकपी जिले का लेइमाखोंग; बिष्णुपुर जिले का मोइरंग क्षेत्र शामिल हैं।

मणिपुर सरकार ने एक अक्तूबर को राज्य के अधिकांश हिस्सों में अफस्पा लागू कर दिया था। हालांकि, उस समय 19 थाना क्षेत्रों को इससे बाहर रखा गया था, जिनमें ये छह थाना क्षेत्र भी शामिल थे।

मंदिर में आने वालों का खतना टेस्ट जरुरी, पता चल सकेगा कि भाई हैं कि भाईजान : नंद किशोर गुर्जर

बागपत। उत्तरप्रदेश के बागपत से बीजेपी विधायक नंद किशोर गुर्जर ने हाल ही में एक विवादित बयान दिया है, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। बीजेपी विधायक ने कहा कि मंदिर में प्रवेश करने वाले हर व्यक्ति की मजहबी पहचान होनी चाहिए है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मंदिर में आने वालों का मजहबी टेस्ट करना चाहिए और मंत्र पढ़वाकर खतना की जांच करनी चाहिए। यह बयान उन्होंने एक शादी समारोह में मीडिया से बात करते हुए दिया। उन्होंने कहा कि मुस्लिम भी हिंदू देवताओं की पूजा करते हैं और भविष्य में मौलवी भी जलाभिषेक करने वाले है। विधायक ने दावा किया कि भारत में जल्द ही सनातन धर्म का प्रभाव बढ़ेगा। बीजेपी विधायक ने थूक जिहाद और मूत्र जिहाद जैसे शब्दों का भी उल्लेख कर एक बड़ी साजिश करार दिया। उन्होंने कहा कि मुस्लिम धर्मगुरुओं की मामले में चुप्पी साजिश का हिस्सा है। इसके अलावा, उन्होंने प्रयागराज में लगने वाले महाकुंभ में मुस्लिमों के दुकान न लगाने के निर्देशों पर भी अपनी प्रतिक्रिया दी। विधायक ने कहा कि हिंदुओं को दरगाहों पर नहीं जाना चाहिए क्योंकि मजारों में इसतरह के जिहादी दफन हैं जिन्होंने महिलाओं के साथ अत्याचार किए। उन्होंने बयान को भी हिंदू धर्म की सुरक्षा और उत्थान के लिए जरूरी बताया।

ईडी की बड़ी कार्रवाई... महाराष्ट्र और गुजरात में एक साथ छापेमारी

नई दिल्ली । प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मालेगांव के कारोबारी सिराज अहमद हारुन मेमन के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच के तहत महाराष्ट्र और गुजरात में एक बड़ी छापेमारी की। गुरुवार को हुई कार्रवाई में ईडी ने 23 परिसरों की तलाशी ली, जिसमें महाराष्ट्र के मालेगांव, नासिक, मुंबई और गुजरात के अहमदाबाद, सूरत शामिल हैं। ईडी का दावा है कि व्यापारी ने फर्जी केवाईसी (केवाईसी) के जरिए कई लोगों के बैंक अकाउंट खोले, जिनका दुरुपयोग 125 करोड़ रुपये से ज्यादा के लेन-देन में हुआ है। इस मामले में महाराष्ट्र, गुजरात, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, ओडिशा और पश्चिम बंगाल में 2,500 से अधिक लेन-देन और करीब 170 बैंक शाखाओं की जांच की जा रही है। इन खातों से अवैध रूप से पैसा जमा और निकाला गया था। यह मामला मालेगांव के व्यापारी मेमन के खिलाफ पुलिस में दर्ज एफआईआर से जुड़ा हुआ है। आरोप है कि इन बैंक खातों का इस्तेमाल चुनावी फंडिंग और वोट जिहाद के लिए किया गया था। ईडी की इस बड़ी कार्रवाई को महाराष्ट्र में 20 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

मणिपुर में हालात खराब... केंद्र ने छह इलाकों में फिर से अफस्पा लागू किया

इंफाल। केंद्र की मोदी सरकार ने मणिपुर के छह इलाकों में फिर से सशस्त्र बल विशेष शक्तियां अधिनियम (अफस्पा) लागू किया है। यह कदम राज्य में जारी जातीय हिंसा को देखकर लिया गया है, इसमें अब तक 200 से अधिक लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। केंद्र ने फैसले की घोषणा केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा की है, जिसमें कहा गया है कि मणिपुर में सुरक्षा स्थिति लगातार बिगड़ रही थी, जिससे यह निर्णय लिया गया। अफस्पा लागू किए गए क्षेत्र में- इंफाल पश्चिम जिले का सेकमई और लमसांग, इंफाल पूर्व जिले का लाम्लाई, जिरिबाम जिले का जिरिबाम, कंगपोकपी का लेइमाखोंग और बिश्नुपुर जिले का मोइरंग शामिल है। इसके अलावा, 19 इलाकों को छोड़कर पूरे मणिपुर प्रदेश में अफस्पा लागू है, जैसा कि मणिपुर सरकार ने 1 अक्टूबर को आदेश जारी किया था। हालांकि, कुछ इलाकों को अफस्पा से बाहर किया गया है, जिसमें इम्फाल, सिटी, सिंगजमई और अन्य शामिल हैं। दरअसल मणिपुर में मई 2023 से जारी जातीय हिंसा ने बड़ा रूप ले लिया है, जिसमें मैतेई और कुकि-जो समुदायों के बीच संघर्ष हो रहा है। हिंसा की लपटें पहले इंफाल घाटी और पहाड़ी इलाकों तक ही सीमित थीं, लेकिन अब यह पूरे राज्य में फैल गई है। पिछले हफ्ते जिरिबाम जिले में हुए एक एनकाउंटर में 11 संदिग्ध उग्रवादी मारे गए, जबकि अगले दिन उग्रवादियों ने छह नागरिकों, जिसमें महिलाएँ और बच्चे शामिल थे, का अपहरण कर लिया।

भोजपुरी अभिनेत्री अक्षरा को धमकी देने वाला दानापुर से गिरफ्तार

-पूछताछ में अभिनेत्री से रंगदारी मांगने की अभी नहीं हो सकी है पुष्टि

दानापुर। मशहूर भोजपुरी अभिनेत्री अक्षरा सिंह को देने और रंगदारी मांगने वाले आरोपी को पुलिस ने बिहार के दानापुर से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी का नाम कुंदन कुमार सिंह है। उस पर पहले से दो और मामले दर्ज हैं। हालांकि उसके द्वारा अभिनेत्री से रंगदारी मांगने की पुष्टि अभी तक नहीं हो सकी है। एसडीपीओ दानापुर ने बताया कि अभिनेत्री अक्षरा सिंह ने दानापुर थाना में एक शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें उन्होंने बताया था कि एक अज्ञात कॉल के जरिए उनसे रंगदारी मांगी और धमकी भी दी। शिकायत पर दानापुर पुलिस ने तुरंत एफआईआर दर्ज की, जो 13 नवंबर 2024 को की गई। एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। आरोपी कुंदन जो भोजपुर जिले के आरा का रहने वाला है। पुलिस द्वारा पूछताछ करने पर पता चला कि इस व्यक्ति पर पहले भी दो मामले दर्ज हैं। पहला मामला 2019 में खगौल थाना क्षेत्र में दर्ज हुआ था, जिसमें आरोपी शराब पीकर जेल गया था। दूसरा मामला नवादा थाना क्षेत्र, भोजपुर में दर्ज हुआ था, जिसमें वह पहले भी जेल जा चुका था। उन्होंने आगे कहा कि जब पुलिस ने आरोपी से और पूछताछ की, तो उसके मुंह से शराब की तेज बदबू आ रही थी। इसके बाद पुलिस ने शराब की जांच के लिए एनालाइजर का इस्तेमाल किया, और पुष्टि हुई कि आरोपी ने शराब पी रखी थी। जांच में अभिनेत्री से रंगदारी मांगने की पुष्टि नहीं हो पाई है लेकिन इस बात की पुष्टि हो गई है कि उसने ही अक्षरा को फोन किया था।

मणिपुर में तीन बच्चों की मां से दुष्कर्म, खोपड़ी में कील ठोकी और जिंदा जला दिया

इम्फाल (एजेंसी)। मणिपुर के जिरीबाम जिले में संदिग्ध उग्रवादियों ने एक तीन बच्चों की मां के साथ हैवानियत की सभी हदें पार कर दी। उसके साथ न केवल दुष्कर्म किया,बल्कि उसकी खोपड़ी में कील ठोंकी और जिंदा जला दिया। इस हैवानियत का खुलासा अटॉप्सी रिपोर्ट में हुआ है। उग्रवादियों ने तीन बच्चों की मां के साथ कथित तौर पर बलात्कार कर उसे जिंदा जला दिया और कम से कम 20 घरों में आग लगा दी। तीन बच्चों की मां की अब अटॉप्सी रिपोर्ट आई है। इस रिपोर्ट में उग्रवादियों का घिनौना सच सामने आया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अटॉप्सी रिपोर्ट में पता चला है कि पीड़िता को जीवित रहते हुए कीलों से ठोंकने और जलाने के दौरान थर्ड-डिग्री यातना दी गई थी। मणिपुर के जिरीबाम में 7 नवंबर को तीन बच्चों की 31 वर्षीय मां के साथ कथित तौर पर बलात्कार किए जाने और फिर हथियारबंद घुसपैठियों द्वारा उसे जलाकर मारने की घटना घटी। इसके बाद हिंसा और बढ़ गई। जिरीबाम में दर्ज एफआईआर में उसके पति के हवाले से कहा गया है कि उसके साथ बलात्कार किया गया और फिर उसे हमारे घर में बेरहमी से मार डाला गया। उस रात ज़ैरावन में 17 घरों में लूटपाट करने और आग लगाने वाले अपराधियों के घाटी स्थित एक संगठन के सदस्य होने का संदेह है।

अटॉप्सी रिपोर्ट में दाहिनी जांघ के पिछले हिस्से में घाव और बाईं जांघ के मध्य भाग में कील धंसी हुई का उल्लेख है। शरीर 99 प्रतिशत जला हुआ पाया गया, यहां तक ??कि हड्डियों के टुकड़े भी जल गए। रिपोर्ट में कहा गया है, दाहिना ऊपरी अंग, दोनों निचले अंगों के हिस्से और चेहरे की संरचना गायब है। अन्य विवरण बहुत ही स्पष्ट हैं, जो महिला को उस यातना और दर्द का संकेत देते हैं, जो उसे और उसके पति और बच्चों के घर को आग की लपटों में घेरने से पहले सहना पड़ा था। यह स्पष्ट नहीं है कि हमलावरों के आने पर पीड़िता का पति और बच्चे कहां थे। फेरज़ावल और जिरीबाम की स्वदेशी जनजाति वकालत समिति ने जुड़वां आदिवासी-प्रधान जिलों के कुकी-ज़ोमी-हमार लोगों की सुरक्षा के लिए केंद्रीय सरकार के हस्तक्षेप का अनुरोध किया। चुराचांदपुर के आदिवासी समुदायों के एक समूह, इंडिजिनस ट्राइबल लीडर्स फोरम ने हमलावरों को गिरफ्तार न किए जाने पर और अधिक अशांति की चेतावनी दी है।

कन्हैया के बयान पर भापजा का पलटवार, कांग्रेस कब ऐसी छिछोरी सोच से आजादी पाएगी?

नागपुर। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के प्रचार के दौरान कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार द्वारा उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता पर टिप्पणी से सियासी बवाल खड़ा हो गया है। कन्हैया कुमार ने कांग्रेस प्रत्याशी के पक्ष में सभा को संबोधित कर कहा, धर्म की रक्षा की जिम्मेदारी सभी की है, लेकिन ऐसा नहीं होना चाहिए कि धर्म का बचाव जनता करे और नेता परिवार रील बनाने में व्यस्त रहें। कन्हैया के बयान पर भाजपा ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने इस बयान को महाराष्ट्र की महिलाओं का अपमान करार देकर कन्हैया कुमार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, कांग्रेस कब ऐसी छिछोरी सोच से आजादी पाएगी? पूनावाला ने आरोप लगाया कि कन्हैया, जो नक्सलियों और आतंकवादियों के समर्थक माने जाते हैं, ने उप मुख्यमंत्री फडणवीस की पत्नी का अपमान कर महाराष्ट्र की सभी महिलाओं का अपमान किया है। कन्हैया की यह टिप्पणी फडणवीस के उस बयान के जवाब में आई थी जिसमें उन्होंने कहा था कि विपक्ष वोट जिहाद कर रहा है और इसके मुकाबले के लिए हमें धर्म युद्ध की आवश्यकता है। भाजपा और कांग्रेस के नेताओं के बीच तीखी बयानबाजी जारी है और यह मामला चुनाव प्रचार का प्रमुख मुद्दा बनता जा रहा है।

कोविड में भारत ने डोमिनिका की मदद, अब डोमिनिका अवार्ड ऑफ ऑनर से सम्मानित होंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अफ्रीकी देश डोमिनिका द्वारा उनके समर्पण और महामारी के दौरान मदद करने के लिए सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान डोमिनिका अवार्ड ऑफ ऑनर से सम्मानित किया जाएगा। डोमिनिका सरकार ने सम्मान की घोषणा एक आधिकारिक विज्ञप्ति के माध्यम से की। यह पुरस्कार डोमिनिका की राष्ट्रमंडल अध्यक्ष सिल्वेनी बर्टन द्वारा भारत-कैरिकॉम शिखर सम्मेलन के दौरान 19 से 21 नवंबर तक गुयाना के जॉर्जटाउन में दिया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी इस दौरान अफ्रीकी देशों के दौरे पर जा रहे हैं, जो 16 से 21 नवंबर तक चलेगा।

डोमिनिका ने पीएम मोदी के योगदान को सराहा

डोमिनिका के प्रधानमंत्री रूजवेल्ट स्केरिट ने पीएम मोदी की खुले दिल से प्रशंसा कर कहा, ÷प्रधानमंत्री मोदी ने वैश्विक स्वास्थ्य संकट के दौरान डोमिनिका का साथ दिया है। महामारी के समय में उनके समर्थन ने हमारे देश के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस सम्मान को प्रदान करना हमारे देशों के मजबूत संबंधों का प्रतीक है, और हम इस साझेदारी को और आगे बढ़ाने के लिए तत्पर हैं।÷

फरवरी 2021 में कोविड-19 महामारी के चरम पर, भारत ने वैक्सीन मैत्री पहल के तहत डोमिनिका को एस्ट्राजेनेका वैक्सीन की 70,000 खुराकें भेजी थीं। इस मदद से डोमिनिका को अपने साथ-साथ अन्य कैरेबियाई देशों की भी सहायता करने का मौका मिला। डोमिनिका ने इस मदद को महत्वपूर्ण बताकर कहा कि यह मदद न केवल उनके नागरिकों बल्कि उनके पड़ोसी देशों के लिए भी संजीवनी साबित हुई।

डोमिनिका सरकार ने इसका भी उल्लेख किया कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में शिक्षा और सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में डोमिनिका को सहयोग प्राप्त हुआ है। भारत की ओर से सतत विकास को बढ़ावा देने के प्रयासों को डोमिनिका ने सराहा और इसके लिए पीएम मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया। डोमिनिका का यह सम्मान भारत और कैरेबियन देशों के बीच बढ़ते सहयोग और साझेदारी का प्रतीक है।

केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे का बड़ा आरोप, वक्फ दावों के पीछे भू-माफिया का हाथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे ने गुरुवार को दावा किया कि एक शक्तिशाली भू-माफिया झूठे वक्फ दावों का इस्तेमाल कर किसानों और गरीबों से जमीन लेने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने एर्नाकुलम जिले के मुनंबम का दौरा करने के बाद यह टिप्पणी की, जहां लगभग 600 परिवार वक्फ बोर्ड द्वारा उस जमीन पर दावा करने का विरोध कर रहे हैं जिस पर वे रह रहे हैं। मीडिया से बात करते हुए, करंदलाजे ने समूह पर लैंड जिहाद करने का आरोप लगाया। मुनंबम के निवासियों के पास 2019 तक यह जमीन थी, और इसे पूर्वव्यापी रूप से उन्हें वापस दे दिया जाना चाहिए।

उन्होंने सवाल किया कि 1954 में जब वक्फ अधिनियम पारित किया गया था, वक्फ बोर्ड के पास देश भर में केवल 10,000 एकड़ जमीन थी। आज, यह 38 लाख एकड़ के साथ, रक्षा और रेलवे के बाद भारत का तीसरा सबसे बड़ा ज़मीन मालिक है। यह सारी ज़मीन कहां से आई? उन्होंने कहा कि पूरे देश में इसी तरह भूमि अधिग्रहण हो रहा है। ÷पहले, भूमि रिकॉर्ड में किसान और अन्य मालिक दिखाए जाते थे, लेकिन अब वक्फ बोर्ड इन जमीनों पर दावा कर रहा है। अकेले कर्नाटक में, लगभग 29,000 एकड़ जमीन मुस्लिम नेताओं ने ले ली है।

करंदलाजे, जो सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम और श्रम और रोजगार राज्य मंत्री हैं, ने प्रदर्शनकारियों से वादा किया कि वह उनकी चिंताओं को वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 पर संयुक्त संसदीय समिति के सामने लाएँगी। चेराई और मुनंबम के निवासियों का कहना है कि वक्फ बोर्ड गलत तरीके से उनकी जमीन और संपत्तियों पर दावा कर रहा है, जबकि उनके पास पंजीकृत दस्तावेज और कर भुगतान रसीदें हैं।

हाईकोर्ट ने तमिलनाडु सरकार को लगाई फटकार कहा- भाजपा को तत्काल लौटा दें प्रतिमा

चेन्नई। भाजपा कार्यालय में लगी भारत माता की प्रतिमा तमिलनाडु सरकार के आदेश पर पुलिस ने हटा दी थी। इसके बाद इस प्रतिमा को लेकर मद्रास हाईकोर्ट में याचिका लगी और कोर्ट ने सुनवाई करते हुए राज्य सरकार को फटकार लगाई और प्रतिमा लौटाने का आदेश दिया। मदुरै बेंच के जस्टिस आनंद वेंकटेश ने कहा, मुझे इस बात में कोई संदेह नहीं है कि प्रशासन ने निजी संपत्ति से भारत माता की प्रतिमा को मनमाने तरीके से हटाया। संभवतः कहीं और से दबाव डाले जाने के कारण उन्होंने ऐसा किया। यह कार्रवाई पूरी तरह से निंदनीय है और भविष्य में ऐसा कभी नहीं होना चाहिए। हम एक कल्याणकारी राज्य में रहते हैं, जो कानून के शासन द्वारा संचालित होता है। ऐसी किसी भी कार्रवाई को किसी भी संवैधानिक अदालत द्वारा सहन नहीं किया जा सकता है। यह संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत मिलने वाले अधिकारों का स्पष्ट उल्लंघन है। यह मामला तब शुरू हुआ जब तमिलनाडु सरकार ने 2022 में हाईकोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए भाजपा को एक नोटिस जारी किया था। इस आदेश में कहा गया था कि किसी भी नेता की नई प्रतिमा की स्थापना नहीं की जा सकती है। जिन प्रतिमाओं से सार्वजनिक अशांति का खतरा हो, उन्हें अन्य स्थानों पर स्थानांतरित किया जाना चाहिए। राज्य सरकार का कहना था कि चूंकि भाजपा को भेजे गए नोटिस का कोई जवाब नहीं आया। इसलिए सामाजिक शांति बनाए रखने के उद्देश्य से भारत माता की प्रतिमा को हटा लिया गया और यह प्रतिमा अब राजस्व विभाग के कार्यालय में सुरक्षित रखी गई है।

महाराष्ट्र में शरद पवार के एक ही दांव से चारों खाने चित हुई भाजपा और अजित की एनसीपी

मुंबई(एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के आखिरी दौर में पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार ने एक नया मास्टरस्ट्रोक खेलकर अजित पवार और भाजपा के लिए मुश्किलें बढ़ा दी हैं। पवार ने पुणे की तीन सीटों पर अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए अजित के सहयोगियों और भाजपा के बड़े नेताओं को अपनी पार्टी में शामिल कर लिया है। इस कदम से भाजपा और अजित गुट में हलचल मच गई है, क्योंकि इन सीटों पर भाजपा और अजित पवार दोनों को ही मजबूत माना जा रहा था।

शरद ने पुणे और रायगढ़ में पार्टी में कई नेताओं को शामिल किया, जिनमें प्रमुख रूप से वड़गांव शेरी के पूर्व एनसीपी नगरसेवक रेखा और उनके पति चंद्रकांत टिंगरे शामिल हैं। इसके अलावा, पुणे की हड़पसर सीट पर दिलीप और अनिल तुपे की उनकी पार्टी में एंट्री भी हुई है। इन नेताओं के शामिल होने से पुणे क्षेत्र में महायुति को बड़ा झटका लग सकता है, खासकर उन सीटों पर जहां अजित पवार और भाजपा के बीच कांटे की टक्कर मानी जा रही थी।

रेखा का एनसीपी से भाजपा और फिर अजित गुट में आना, और अब शरद पवार के साथ आना एक बड़ा राजनीतिक कदम है। वड़गांव शेरी सीट पर सुनील से रेखा टिंगरे की पुरानी अदावत को देखकर शरद पवार ने उन्हें अपनी पार्टी में शामिल किया है। इसके अलावा, दिलीप तुपे का पुणे नगर निगम में अच्छा दबदबा है, जिससे शरद पवार को अपने पक्ष में स्थिति मजबूत करने का मौका मिला है। इन सभी नेताओं को पार्टी में लाकर शरद ने न केवल अजित बल्कि भाजपा गुट में भी सेंध लगाने की कोशिश की है। इस कदम से शरद पवार ने पश्चिमी महाराष्ट्र में अपनी पकड़ मजबूत करने का लक्ष्य रखा है, और अब महायुति के लिए यह क्षेत्र चुनौतीपूर्ण बन गया है।

भारत-रूस संबंधों पर ऑस्ट्रेलियाई एंकर का सवाल, जयशंकर ने दिया जबाव, इससे दुनिया को फायदा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर का एक इंटरव्यू इनदिनों काफी चर्चा में है। ये इंटरव्यू जयशंकर ने ऑस्ट्रेलियाई मीडिया को दिया, जिसमें उन्होंने रूस के साथ दोस्ती पर बात कर पाकिस्तान को आड़े हाथ लिया। इंटरव्यू ने वाली एंकर ने विदेश मंत्री जयशंकर से भारत-रूस संबंधों को लेकर सवाल पूछा था। इसके जबावइ में जयशंकर ने कहा कि इससे ऑस्ट्रेलिया के साथ भारत के रिश्ते प्रभावित नहीं होने वाले है। जयशंकर ने पाकिस्तान का उदाहरण देकर कहा कि आज के दौर में किसी भी देश के एक्सक्लूसिव रिश्ते नहीं होते। एंकर ने जयशंकर से सवाल किया कि क्या रूस के साथ भारत की दोस्ती से ऑस्ट्रेलिया के साथ रिश्तों में कोई दिक्कत आ रही है। जयशंकर ने जवाब दिया कि उन्हें ऐसा नहीं लगता। उन्होंने कहा कि आज के समय में किसी भी देश के एक्सक्लूसिव रिश्ते नहीं होते। जयशंकर ने पाकिस्तान का उदाहरण देकर कहा, अगर हम आपके तर्क के हिसाब से सोचें, तब हम कह सकते हैं कि पाकिस्तान के साथ कई देशों के रिश्ते हैं। इसके बाद भारत को भी परेशान होने की जरूरत है।

विदेश मंत्री ने कहा कि रूस के साथ भारत के रिश्ते से अंतरराष्ट्रीय समुदाय को फायदा हो रहा है। रूस से तेल खरीदने के भारत के फैसले पर उन्होंने कहा कि अगर हमने ऐसा नहीं किया होता, तब वैश्विक ऊर्जा बाजार पूरी तरह बर्बाद हो जाता। वैश्विक स्तर पर ऊर्जा संकट पैदा हो जाता। इससे पूरी दुनिया में महंगाई चरम पर होती। उन्होंने कहा कि रूस के साथ भारत के अच्छे संबंधों की वजह से ही रूस और यूक्रेन के बीच बातचीत शुरू कराने में मदद मिल सकती है। रूस के साथ हमारे अच्छे संबंध हैं। हम मानते है कि दुनिया और यहां तक कि ऑस्ट्रेलिया को भी इसतरह के देश की जरूरत है जो जंग को बातचीत की मेज तक लाने में सहयोग कर सके। ज्यादातर युद्ध बातचीत की मेज पर ही खत्म होते हैं।

एआई के आने से भारत में होगी रोजगार की भरमार, 5 वर्षों में श्रमिकों की संख्या 33.89 मिलियन तक बढ़ेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के युग में आने वाले समय में नौकरियों के नए मौके पैदा होने जा रहे हैं। ताजा रिपोर्ट के अनुसार, एआई के साथ भारत में 2023 में 423.73 मिलियन से 2028 तक 457.62 मिलियन तक रोजगार बढ़ने का अनुमान है। कुल 5 वर्षों में श्रमिकों की संख्या 33.89 मिलियन तक बढ़ेगी।

नए शोध के अनुसार, नई तकनीक भारत के प्रमुख विकास क्षेत्रों में योग्यताओं को नई पहचान देगी, जिससे 2028 तक 2.73 मिलियन नई टेक्नोलॉजी से जुड़ी नौकरियां पैदा होंगी। दुनिया की अग्रणी कंपनी द्वारा किए गए शोध से पता चला है कि रिटेल सेक्टर रोजगार बढ़ोत्तरी का नेतृत्व करने को तैयार है। इस सेक्टर के विस्तार के लिए 6.96 मिलियन अतिरिक्त श्रमिकों की आवश्यकता है। रिटेल सेक्टर के बाद मैन्युफैक्चरिंग में 1.50 मिलियन, शिक्षा में 0.84 मिलियन और स्वास्थ्य सेवाओं में 0.80 मिलियन नौकरियों के अवसर पैदा होने वाले है।

इस मामले में एआई जानकार ने कहा, भारत के विकास में खासकर एडवांस तकनीक स्किल मामले में एआई अहम भूमिका निभाएगा। एआई के साथ न केवल अवसर पैदा होने वाले हैं, बल्कि एआई उन्हें डिजिटल करियर बनाने में मदद भी करेगा। इंडस्ट्री में टेक्नोलॉजी से जुड़ी नौकरियां बढ़ रही हैं और इस ट्रेंड को सॉफ्टवेयर एप्लिकेशन डेवलपर्स लीड कर रहे हैं, जिसमें 109,700 पदों की वृद्धि का अनुमान है।

दूसरी भूमिकाओं में सिस्टम सॉफ्टवेयर डेवलपर्स (48,800 नई नौकरियां) और डेटा इंजीनियर (48,500 नई नौकरियां) शामिल हैं। वेब डेवलपर्स, डेटा विश्लेषक और सॉफ्टवेयर परीक्षकों के लिए भी नए अवसर (जिनमें क्रमशः 48,500, 47,800 और 45,300 पदों का अनुमान) पैदा होगा।

सिद्धार्थ मल्होत्रा ने टीवीएफ से मिलाया हाथ, नई फिल्म के शीर्षक के साथ रिलीज की तारीख से भी उठाया पर्दा

बॉलीवुड अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा ने आखिरकार अपनी नई फिल्म का एलान कर दिया है। अभिनेता आखिरी बार योद्धा में नजर आए थे, जिसके बाद आधिकारिक तौर पर उनकी अगली फिल्म की घोषणा नहीं हुई थी। अब अभिनेता ने अपनी नई फिल्म की घोषणा करते हुए इसके नाम और रिलीज की तारीख से भी पर्दा उठा दिया है। सिद्धार्थ ने नई फिल्म के लिए पंचायत के निर्माता टीवीएफ के साथ हाथ मिलाया है। फिल्म का नाम है वन- फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट। यह फिल्म एक लोक पौराणिक थ्रिलर फिल्म है। फिल्म का निर्देशन पंचायत फेम दीपक मिश्रा करेंगे। वन- फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट की घोषणा एक साइनबोर्ड से शुरू हुई जिस पर लिखा था, सूर्यास्त के बाद जंगल में प्रवेश करना सख्त मना है। इसके तुरंत बाद, जंगल के बीच में पारंपरिक मशाल लेकर दौड़ता हुआ धोती पहने एक आदमी दिखाई देता है। विहंगम दृष्टि से देखने पर जंगल अचानक जाग उठता है।

इस दिन रिलीज होगी

फिल्म की घोषणा को साझा करते हुए सिद्धार्थ मल्होत्रा ने लिखा, एक पावरहाउस टीम के साथ इस लोक थ्रिलर का हिस्सा बनने के लिए उत्साहित हूं, 2025 में बड़े पर्दे पर आप सभी द्वारा वन- फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट का अनुभव करने का इंतजार नहीं कर सकता। यह घोषणा 2024 के छठ के अवसर पर की गई। निर्माताओं ने बताया कि फिल्म भी अगले साल छठ के दौरान रिलीज होगी। बताया गया कि फिल्म छठ 2025 में रिलीज होगी।

सारा अली खान भी होंगी शामिल?

हालांकि, अभी तक कलाकारों के बारे में कोई जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन रिपोर्ट्स के अनुसार, सिद्धार्थ के साथ सारा अली खान को भी कास्ट किया गया है। हालांकि, निर्माताओं ने अभी तक इस बात की पुष्टि नहीं की है। वन को बालाजी मोशन पिक्चर्स और द वायरल फीवर (टीवीएफ) का समर्थन प्राप्त है।

सिद्धार्थ की आने वाली फिल्में

वहीं, बात करें सिद्धार्थ मल्होत्रा की आने वाली फिल्म के बारे में तो अभिनेता अगली बार जान्हवी कपूर के साथ परमसुंदरी में नजर आएंगे। हालांकि, अभी तक इस फिल्म की आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। अभिनेता को आखिरी बार योद्धा में देखा गया था।

हनी सिंह के बहुप्रतीक्षित एल्बम ग्लोरी से जुड़ी नोरा फतेही

ग्लोबल सनसेशन नोरा फतेही एक रोमांचक नए सहयोग के लिए यो यो हनी सिंह के साथ जुड़ गई हैं। वह हनी सिंह के बहुप्रतीक्षित एल्बम ग्लोरी के ट्रैक पायल के संगीत वीडियो में दिखाई देंगी। हनी सिंह ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लाइव होकर नोरा फतेही को उनके समर्पण और कड़ी मेहनत के लिए बधाई दी। हनी ने नोरा की प्रतिबद्धता की प्रशंसा करते हुए कहा, जॉर्जिया में अपने संगीत वीडियो को फिल्माते समय, जहां तापमान -3 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया था, नोरा अभी भी उत्साहित हैं शूट करने के लिए जबकि अन्य डांसर, यहां तक कि यूरोप के लोगों ने भी इस ठंड में प्रदर्शन करने से इनकार कर चुके थे। मेरे मन में उनके लिए बहुत सम्मान है। उन्होंने आगे कहा, पायल के लिए संगीत वीडियो बनाने में बहुत हार्ड वर्क किया जा रहा है, जिसमें एकमात्र, सुपर मेहनती और महान नोरा फतेही शामिल हैं। सहयोग की खबर नोरा फतेही के एक समर्पित प्रशंसक पृष्ठ द्वारा साझा की गई थी, जबकि यो यो हनी सिंह ने खुद अपने सोशल मीडिया पर एक मिरर सेल्फी पोस्ट की थी, जिसमें नोरा को स्टोरी में टैग करते हुए कैप्शन दिया था, शूटिंग टाइम। यह संगीत उद्योग में नोरा की बढ़ती उपस्थिति में एक और मील का पत्थर है, जो उनके एल्बम इमोशन्स के इट्स ट्रू पर सीके जैसे अंतरराष्ट्रीय कलाकारों और हिट गीत पेपेटा पर तंजानियाई कलाकार रेवेनी जैसे अंतरराष्ट्रीय कलाकारों के साथ उनके सफल सहयोग के बाद है। प्रत्येक नए प्रोजेक्ट के साथ, नोरा एक अभिनेत्री, डांसर और गायिका के रूप में अपनी बहुमुखी प्रतिभा का प्रदर्शन करना जारी रखती हैं, जिससे एक ग्लोबल स्टार के रूप में उनकी स्थिति मजबूत होती है। पायल के ऑडियो ट्रैक को पहले ही लगभग दो करोड़ बार देखा जा चुका है, जो बीट्स के जीवंत मिश्रण के साथ इसकी अपील साबित करता है। अब, नोरा फतेही के डांस मूव्स में गतिशील दृश्य जोड़ने के साथ, आगामी संगीत वीडियो हिट होने का वादा करती है। जिन दर्शकों ने ऑडियो का आनंद लिया, उन्हें एक संगीत वीडियो का आनंद मिलेगा जो एक ताज़ा और रोमांचक अनुभव लाएगा।

प्रियंका चोपड़ा के लिए बोलीं सामंथा

लंदन में सामंथा अपनी फिल्म सिटाडेल- हनी बनी के प्रमोशन के लिए पहुंची। इस दौरान उन्होंने प्रियंका चोपड़ा की तारीफ भी की। सामंथा ने प्रियंका को लड़कियों के लिए एक बेहतरीन रोल मॉडल बताया है। सामंथा ने कहा, जेनिफर साल्के (प्राइम वीडियो हेड) के पास इस इंटरकनेक्टेड जासूसी दुनिया को बनाने का शानदार विचार था। पहला सीजन अमेरिका में आधारित है, दूसरा इटली, फिर भारत और अगला मेक्सिको में है इसलिए यह शानदार है। हमारे लिए वास्तव में हमारे देश को छोड़े बिना वैश्विक जासूसी ब्रह्मांड से जुड़ने का एक अविश्वसनीय अवसर है। बता दें प्रियंका ने रिचर्ड मैडेन के साथ सिटाडेल के अमेरिकी अध्याय का नेतृत्व किया था। सामंथा रुथ प्रभु ने प्रियंका चोपड़ा के लिए कहा कि वे हम लड़कियों के लिए रोल मॉडल हैं। उन्होंने हमें बड़ा सोचने की प्रेरणा दी है। ये हमारे लिए बहुत अच्छा अवसर है। साथ ही उन अभिनेत्रियों के साथ आने का भी जिन्होंने सिटाडेल अन्य सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया है।

राज और डीके के साथ काम करने को लेकर बोलीं सामंथा

सामंथा ने राज और डीके के साथ काम करने के लिए कहा कि वे उनकी फिल्म निर्माण का अलग ही प्रकार है। इस समय उनके प्रोडक्शन का हिस्सा बनना हर अभिनेता का सपना होता है। वे अभिनेता को सही मायने में अभिनय करने और कुछ नया करने का मौका देते हैं। सिटाडेल- हनी बनी में सामंथा ने वरुण धवन के साथ काम किया है। इस फिल्म को ओटीटी पर रिलीज किया गया है। फिल्म का निर्देशन राज और डीके की सुपरहिट जोड़ी ने किया है। निर्देशकों की ये जोड़ी शोर इन द सिटी, गो गोवा गॉन, हैप्पी एंडिंग जैसी फिल्में बना चुकी है।

इन फिल्मों से धमाल मचा चुकी है रोहित-अजय की जोड़ी, अब कॉमेडी फिल्म में साथ करेंगे काम

रोहित शेट्टी और अजय देवगन ने कई फिल्मों में साथ काम किया है और दर्शकों का खूब मनोरंजन किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक इंटरव्यू के दौरान रोहित शेट्टी ने गोलमाल 5 को लेकर कहा कि अब यह फिल्म उनकी किसी भी कॉप यूनिवर्स से पहले आएगी। हाल ही में दोनों निर्देशक-अभिनेता की जोड़ी की फिल्म सिंघम अगेन में साथ काम कर चुके हैं। सिंघम फ्रेंचाइजी की अब तक की तीनों फिल्मों में रोहित और अजय ने धांसू काम किया है।

सिंघम अगेन

सिंघम अगेन 1 नवंबर 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। इस एक्शन फिल्म को रोहित शेट्टी ने लिखा और निर्देशित किया है। फिल्म को रोहित शेट्टी पिक्चर्स के तहत रिलायंस एंटरटेनमेंट, जियो स्टूडियो और देवगन फिल्म्स के साथ मिलकर सह-निर्मित किया गया है। यह शेट्टी की कॉप यूनिवर्स फ्रैंचाइजीकी पांचवीं किस्त है।

सिंघम

सिंघम 2011 की भारतीय हिंदी भाषा की एक्शन फिल्म है, जिसका निर्देशन रोहित शेट्टी ने किया था और इसका निर्माण रिलायंस एंटरटेनमेंट ने किया। यह फिल्म लेखक यूनुस सजावल और फरहाद-साजिद की पटकथा पर आधारित है। यह शेट्टी की कॉप यूनिवर्स की पहली किस्त थी। हरि द्वारा 2010 में इसी नाम से बनी तमिल फिल्म की रीमेक, इस फिल्म में अजय देवगन मुख्य भूमिका में हैं, जिसमें उन्होंने बाजीराव सिंघम नामक एक पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाई है। उनके साथ काजल अग्रवाल और प्रकाश राज भी हैं, जिन्होंने मूल फिल्म में अपनी भूमिका दोहराई है।

सिंघम रिटर्न्स

सिंघम रिटर्न्स 2014 की भारतीय हिंदी भाषा की एक्शन फिल्म है, जिसे रोहित शेट्टी ने लिखा-निर्देशित किया। अजय देवगन एफफिल्म्स, रिलायंस एंटरटेनमेंट और रोहित शेट्टी पिक्चर्स द्वारा निर्मित किया गया था। 1993 की मलयालम फिल्म एकलव्यन की एक बिना श्रेय वाली रीमेक है। यह 2011 की फिल्म सिंघम की अगली कड़ी और शेट्टी की कॉप यूनिवर्स की दूसरी किस्त है। अजय देवगन ने बाजीराव सिंघम के रूप में अपनी भूमिका को दोहराया है, जबकि करीना कपूर खान ने काजल अग्रवाल की जगह मुख्य भूमिका निभाई है।

गोलमाल 5

गोलमाल, गोलमाल रिटर्न्स, गोलमाल 3, गोलमाल अगेन में रोहित और अजय ने एक साथ काम किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अब गोलमाल 5 भी आ सकती है। एक इंटरव्यू के दौरान रोहित ने गोलमाल 5 को लेकर कहा कि अब यह फिल्म उनकी किसी भी कॉप यूनिवर्स से पहले आएगी। इस खबर को सुनने के बाद प्रशंसक एक बार फिर से रोहित-अजय की जोड़ी की आगामी फिल्म गोलमाल 5 पर अपनी नजरें बनाए हुए हैं।

अभिनय से ज्यादा बयानों से चर्चा में रहीं पायल रोहतगी

पायल रोहतगी फिल्मों में काम ना भी कर रही हों तो खबरों में बनी रहती हैं। पायल का पिछला इतिहास देखें, वह अपने बयानों और विवादों के कारण चर्चा में बनी रहती हैं। इन दिनों तो वह किसी तरह की कंट्रोवर्सी में नहीं शामिल हुई। उनके करियर और दिए गए विवादास्पद बयानों के बारे में।

अभिनय से लेकर आइटम डांस तक का सफर

पायल रोहतगी ने अपने करियर की शुरुआत हिंदी फिल्मों में ये क्या हो रहा है से की। इसके बाद वह कई फिल्मों में छोटे और बड़े रोल करती रहीं। साल 2006 में रिलीज हुई फिल्म कॉरपोरेट में एक आइटम डांस पायल ने किया, इस गाने के जरिए उन्हें अच्छी-खासी पहचान मिली। आगे भी उन्होंने कुछ फिल्मों में एक्टिंग की, तो कुछ फिल्मों में आइटम सॉन्ग किए।

बयानों के कारण मुश्किल में फंस गईं

पायल का अभिनय करियर तो ठीक ही चल रहा था, इस वजह से वह मीडिया में बनी भी रहतीं, लेकिन धीरे-धीरे वह अपनी फिल्मों की बजाय अपने दिए बयानों के कारण खबरों में रहने लगीं। एक बार तो पायल को अपने दिए गए बयान के कारण जेल तक जाना पड़ा। इसी तरह उन्होंने सती प्रथा और राजा राममोहन राय पर भी अजीब बयान दिया। फिल्मों में अभिनय करने और विवाद पैदा करने वाले बयान देने के अलावा पायल कुछ टीवी रियालिटी शो का हिस्सा बनकर भी चर्चा में बनी रहीं। वह बिग बॉस-2 और लॉकअप जैसे रियालिटी शो का हिस्सा रहीं। लॉकअप में तो उनका स्टैंडअप कॉमेडियन मुनव्वर फारूखी से खूब झगड़ा हुआ। रियालिटी शो के अलावा पायल ने कुछ टीवी सीरियल में भी काम किया।

हाशिमोटो थायरॉयडिटिस से पीड़ित हैं अर्जुन कपूर

अभिनेता अर्जुन कपूर ने अपनी फिल्म सिंघम अंगने में विलेन डेंजर लंकेश के किरदार में नजर आ रहे हैं। इस किरदार के लिए अर्जुन को प्रशंसकों का प्यार मिल रहा है। फिल्म के प्रमोशन के दौरान अभिनेता ने कई इंटरव्यू दिए। इस दौरान उन्होंने अपनी जिंदगी को लेकर भी कुछ बातों के खुलासे किए।

अर्जुन कपूर ने कहा कि एक समय आ गया था जब वो अकेलापन महसूस करते थे। अर्जुन कपूर ने इस बातचीत में अपनी स्वास्थ्य समस्याओं को लेकर भी बात की। अभिनेता हाशिमोटो थायरॉयडिटिस नामक बीमारी से पीड़ित हैं। आइए आपको बताते हैं क्या है ये बीमारी और अभिनेता कैसे हुए इस बीमारी के शिकार।

झेलना पड़ा मानसिक तनाव

इंटरव्यू के दौरान अर्जुन कपूर ने कहा कि वे कई शारीरिक समस्याओं से गुजरे हैं। उन्होंने कहा, मैं दिल से एक मोटा बच्चा हूं, है न? इस बात ने कई सालों तक मुझे मानसिक तनाव दिया है। इससे न आप अपने खाने पर ध्यान दे पाते हैं और न ही अपनी देखभाल ठीक तरीके से कर पाते हैं।

इस बीमारी से जूझ रहे हैं अर्जुन कपूर

अर्जुन कपूर ने बताया कि उन्हें हाशिमोटो थायरॉयडिटिस नामक बीमारी है। इस बीमारी में आपके एंटीबॉडी आपके ही खिलाफ लड़ते हैं। ये वैसा ही है जैसे में एक फ्लाइट ले सकता हूं और अपना मेरा वजन बढ़ जाएगा क्योंकि इस दौरान शरीर का तनाव बढ़ जाता है। उन्होंने कहा कि ये बीमारी उनकी मां को भी थी और बहन को भी है।

आखिर क्या होती है ये बीमारी

दिल्ली वरिष्ठ सलाहकार और एंडोक्राइनोलॉजी डॉ. सप्तर्षि भट्टाचार्य ने इस बीमारी के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि यह एक ऑटोइम्यून विकार है, जिसमें प्रतिरक्षा प्रणाली थायरॉयड ग्रंथि पर हमला करती है, और उन्हें नुकसान पहुंचाती है। इससे हाइपोथायरायडिज्म (अंडरएक्टिव थायरॉयड) होता है। हाशिमोटो थायरॉयडिटिस में शरीर का इम्यून सिस्टम एंटी बॉडी बनाता है, ये एंटी बॉडी थायराइड सेल को नष्ट करती हैं।

बीमारी का इलाज है संभव

डॉक्टर ने बताया कि इस बीमारी का पता लगने पर इसका इलाज संभव है। इससे अच्छा स्वास्थ्य बना रह सकता है। इसके लिए अपने स्वास्थ्य सलाहकार से सलाह लेकर ही खाने-पीने और रहन सहन का ध्यान रखना चाहिए।

ये हैं बीमारी के लक्षण

इस बीमारी के शुरुआती लक्षणों की बात करें तो ग्रसित होने वाले व्यक्ति को थकान महसूस होती है। इस बीमारी की शुरुआत में शरीर के वजन का बढ़ना, मांसपेशियों में कमजोरी, थायरॉयड बढ़ने गर्दन में सूजन जैसी परिस्थितियों का अनुभव होता है।

बोल्ड एक्ट्रेस का दिया टैग, एक जैसे मिले रोल

सयानी गुप्ता अपनी प्रोफेशनल लाइफ के अलाना अपनी निजी जिंदगी को लेकर काफी जानी जाती हैं। अभिनेत्री की आगामी फिल्म ख्वाबों का झमेला जल्द ही रिलीज के लिए तैयार है। ऐसे में वह इसके प्रमोशन में काफी व्यस्त हैं। हाल ही में, एक इंटरव्यू में सयानी ने बताया कि इंडस्ट्री में लोगों ने उन्हें बोल्ड एक्टर का टैग दे दिया था। सयानी ने कहा कि कई निर्देशक उन्हें देखकर कमरे से बाहर चले जाते थे। सयानी ने कहा कि कई बार बोल्ड सीन्स शूट करना उनके लिए भी मुश्किल होता था, लेकिन उन्हें करना पड़ता था। सयानी ने कहा कि फिल्मों में बोल्ड सीन्स करने के बाद मुझे ऐसे ही रोल्स मिलने लगे, जबकि मैं कुछ और करना चाहती थी।

हिन्दी साप्ताहिक समाचार-पत्र

NAMASTE RAJASTHAN

नमस्ते राजस्थान

खबरों की सत्यता, निष्पक्षता, पारदर्शिता

E-MAIL
namasterajasthan11@gmail.Com
nrnews100@gmail.com

राजस्थान
08
भीलवाड़ा

शुक्रवार,15,नवम्बर, 2024

संपादकीय

खबरों की दुनिया

बुलडोजर बाबाओं के कारनामों पर सुप्रीम कोर्ट की रोक

सुप्रीम कोर्ट बोला अफसर या नेता जज नहीं बन सकते

हर छोटी-छोटी बात पर अपराधियों या विरोधियों के घरों पर बुलडोजर चलाकर उनकी जीवन भर की कमाई एवं आश्रयों को नष्ट करने वाली सरकारों, नेताओं बुलडोजर बाबाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश पर सख्ती दिखाई है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि घर सबका सपना होता है। यह बरसों का संघर्ष है और सम्मान की निशानी है। यदि किसी का घर गिराया जाता है तो अधिकारी को साबित करना होगा कि यही आखिरी रास्ता था। अफसर स्वयं जज नहीं बन सकते हैं। किसी की प्रॉपर्टी को तोड़ने से पहले 15 दिन का नोटिस देना होगा। वीडियोग्राफी करना होगी और यदि कोई अफसर गाइड लाइन का उल्लंघन करता है तो वह अपने खर्चे पर दोबारा उसकी प्रॉपर्टी को बनाकर देगा और उचित मुआवजा भी देगा।

डॉ. एल. सी. भारतीय
प्रधान सम्पादक

अपना घर हो, अपना आंगन हो, इस ख्वाब में हर कोई जीता है इंसान की यह चाहत कि एक घर का सपना कभी न छूटे।

केंद्र सरकार की दलील-कोर्ट हमारे हाथ न बांधे

इससे पहले केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से आग्रह किया था कि सरकार बुलडोजर कार्रवाई पर रोक लगाकर हमारे हाथ न बांधे। लोगों के घर तोड़ने के लिए हमें स्वतंत्र छोड़ दे। सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, राजस्थान में लगातार बुलडोजर एक्शन विशेषकर अल्पसंख्यकों के मकान ढहाने पर जमीयत उलेमा हिन्द द्वारा लगाई गई याचिका पर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने चार फाइनल कमेंट हर आदमी का सपना एक घर हमारा क्या हम छीन सकते हैं, अधिकारी जज नहीं कि वे स्वयं अपने विवेक से तय करे कि कौन सही कौन गलत, सही गलत का फैसला कोर्ट पर छोड़े, स्वयं नहीं करें। बिना किसी न्यायिक प्रक्रिया के किसी का घर नहीं गिराए। गलत नियत से किसी का आशियाना तोड़ने वाले अधिकारी को बख्शा नहीं जाना चाहिए। गिराए गए मकान के पुनर्निर्माण की जिम्मेदारी उसकी होनी चाहिए। किसी का घर गिराना आखिरी रास्ता नहीं होना चाहिए। गलत तरीके से गिराए गए मकान का पुनर्निर्माण और मुआवजा सरकार को देना चाहिए।

केंद्र ने कहा हाथ न बांधे, कोर्ट ने कहा-आसमान नहीं फट जाएगा

सुप्रीम कोर्ट में लंबी सुनवाई के बाद यह फैसला आया है 17 सितम्बर का। केंद्र ने कहा कि संवैधानिक संस्थाओं के हाथ नहीं बांध सकते। जब जस्टिस बी आर गवई और केवी विश्वनाथन ने कहा कि यदि कार्रवाई दो हफ्ते रोक दी जाए तो आसमान नहीं फट जाएगा। कोर्ट ने कहा कि इन धारणाओं से प्रभावित नहीं होते। हम साफ करते हैं कि कोर्ट किसी के अवैधानिक निर्माणों के बीच नहीं आएगा लेकिन उसको तोड़ने के लिए निश्चित प्रक्रिया का पालन करना होगा। यह नहीं कि जब चाहा किसी के निर्माण को अवैध बताकर तोड़ दिया। सरकारें ही अपने चहेतों के अवैध निर्माण कराती है। सरकारी जमीनों पर कब्जे कराती है। इस प्रकार कोर्ट ने सभी की पूरी सुनवाई करके फिर अपना फैसला सुनाया है। इस फैसले से उन लोगों को राहत मिलेगी जिनका आशियाना छोटी-छोटी बातों पर गिराया जाता है।

इसकी शुरुआत यूपी के मुख्यमंत्री योगी ने की थी

सबसे पहले अपराधियों के अपराध दर्ज होते ही बुलडोजर चलाने की शुरुआत यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने की थी। किसी ने रैली में पत्थर फैंके तोड़ दो इसके मकान, यह चोरी डकैती या चाकूबाजी में पकड़ा गया तो भेज दो बुलडोजर, तोड़ दो आशियाने। यह दंगों में शामिल थे चलाओ बुलडोजर कर दो बेघर। फिर यह हवा मध्यप्रदेश में चली। उसके बाद भाजपा की सरकार बनते ही यह राजस्थान में भी चलने लगी। उसके बाद सुप्रीम कोर्ट एक्शन में आया है। सरकार का यह रवैया बेहद खतरनाक था कि अपनो से बैर नहीं विरोधियों की खैर नहीं। चलो बेचारे गरीबों को अपना आशियाना गिराने का भय समाप्त हो गया। वे रात को चैन की नींद सो सकेंगे। कोर्ट के फैसले की जितनी प्रशंसा की जाए उतनी कम है।

गो-तस्कर की जमानत रद्द कराने सुप्रीम कोर्ट पहुंची सरकार

सरकार ने कहा-बाहर रहा तो अपराध करता रहेगा, पिछली सुनवाई में वकील पेश नहीं होने पर खेद जताया

जयपुर। राज्य सरकार ने हार्डकोर गो तस्कर की जमानत के मामले में गुरुवार को पुनर्विचार याचिका दायर की है। याचिका दायर करते हुए सुप्रीम कोर्ट में अतिरिक्त महाधिवक्ता शिवमंगल शर्मा ने पिछली सुनवाई पर सरकारी वकील के पेश नहीं होने पर खेद भी जताया। याचिका में कहा- आरोपी आदतन गो तस्कर है। अगर आरोपी बाहर रहता है तो फिर से वह इसी तरह के अपराध को अंजाम दे सकता है। गो तस्कर नाजिम खान को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने 21 अक्टूबर को जमानत दी थी। फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि इस मामले में राज्य सरकार की ओर से न तो किसी वकील का वकालतनामा पेश हुआ, न ही कोई वकील सुनवाई के दौरान उपस्थित हुआ।

प्रक्रियात्मक चूक बताई, सुप्रीम कोर्ट से याचिका सुनने को कहा

अतिरिक्त महाधिवक्ता शिवमंगल शर्मा ने कहा- प्रक्रियात्मक चूक के कारण सुनवाई के दौरान राज्य का कोई भी प्रतिनिधि कोर्ट में उपस्थित नहीं हो सका। लेकिन, अब राज्य सरकार अपना पक्ष रखना चाहती है। ऐसे में पुनर्विचार याचिका को सुना जाए।

हेल्थ सेक्टर की कंपनियों से 16 हजार करोड़ के एमओयू : मेडिकल एज्युकेशन सेक्टर में सबसे ज्यादा निवेश

स्वास्थ्य क्षेत्र में निवेश की गई एक–एक पाई लोगों के दुःख-दर्द दूर करेगी : भजनलाल

खबरों की दुनिया

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति में गुरूवार को राइजिंग राजस्थान स्वास्थ्य प्री-समिट में स्वास्थ्य, चिकित्सा और आयुष क्षेत्र के निवेशकों के साथ 16,176 करोड़ रुपये के एमओयू पर हस्ताक्षर किये। समिट में हुए एमओयू के साथ ही 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट-2024 के तहत स्वास्थ्य क्षेत्र में हस्ताक्षरित कुल निवेश प्रस्तावों का आंकड़ा 25,400 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। राजनिवेश पोर्टल पर अब तक 57 हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं।

प्री–समिट में किए गये एमओयू में चिकित्सा एवं चिकित्सा शिक्षा क्षेत्र के लिए 14,000 करोड़ रुपये के निवेश एमओयू हुए, जबकि आयुष क्षेत्र में 2,157 करोड़ रुपये के निवेश एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। राजनिवेश पोर्टल पर स्वास्थ्य एवं चिकित्सा क्षेत्र में अब तक प्राप्त 57,000 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों के धरातल पर आने से राज्य में 6 लाख से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होने की संभावना है। एमओयू के जरिए निवेशकों ने जयपुर, अजमेर, जोधपुर, राजसमंद, सीकर, सिरोही सहित विभिन्न जिलों में फार्मा इकाइयां, मेडिकल कॉलेज, विश्वविद्यालय, नर्सिंग कॉलेज, होम्योपैथी और आयुर्वेद कॉलेज, आयुष अनुसंधान पंचकर्म केंद्र, उन्नत आयुर्वेद और प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान स्थापित करने का प्रस्ताव दिया है।

इस अवसर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि अपने कार्यकाल के पहले ही वर्ष में इन्वेस्टमेंट समिट आयोजित कर हमारी सरकार ने अपनी मंशा स्पष्ट कर दी है कि हम न केवल एमओयू पर हस्ताक्षर करने जा रहे हैं, बल्कि अगले 3-4 वर्षों में उन्हें धरातल पर भी उतारने जा रहे हैं। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र के छोटे और बड़े सभी निवेशकों को स्वागत है, क्योंकि वे सभी जमीनी स्तर पर आम नागरिक की सेवा करेंगे और स्वस्थ एवं समृद्ध प्रदेश की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

आयुष क्षेत्र में हुए 2,157 करोड़ रुपये के एमओयू पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह जानकर प्रसन्नता हो रही है कि हमने आयुष क्षेत्र में बड़ी संख्या में एमओयू किए हैं। आयुष न केवल भारत की विरासत और पहचान है, बल्कि यह दुनिया के सामने भारतीय संस्कृति और सदियों पुराने ज्ञान को भी प्रदर्शित करता है। दुनियाभर के लोग आयुष की ओर आकर्षित हो रहे हैं और आने वाले वर्षों में इस क्षेत्र में विकास की अपार संभावनाएं हैं।

गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता के बारे में जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य सेवा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता स्पष्ट है। राज्य की 88 प्रतिशत आबादी स्वास्थ्य बीमा के दायरे में है, जो देश में सबसे अधिक है। राज्य के 2024-25 के बजट में भी स्वास्थ्य एवं चिकित्सा क्षेत्र के लिए अब तक का सबसे अधिक 28,000 करोड़ रुपए का बजट आवंटित किया गया है, जो राज्य के कुल बजट का 8.26 प्रतिशत से अधिक है। प्रदेश में मेडिकल वेल्यू ट्रेवल के क्षेत्र में भी काफी संभावनाएं है। इसे देखते हुए राज्य सरकार जल्द ही मेडिकल वेल्यू ट्रैवल पॉलिसी एवं फार्मा सेक्टर के विकास के लिए नई फार्मा पॉलिसी लाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा स्वास्थ्य का क्षेत्र सीधा जनसेवा से जुड़ा हुआ है। इसमें निवेश की गई एक–एक पाई लोगों के दुःख–दर्द दूर करने का काम करेगी और उनके चेहरों पर मुस्कान लाएगी। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में योगदान देने वाला व्यक्ति मानवता की सेवा कर रहा है।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में एमओयू पर हस्ताक्षर किया जाना मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में सरकार द्वारा पिछले 11 महीनों में शुरू की गई नीतियों के प्रभावों को दर्शाता है। ये नये निवेश न केवल राज्य में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए नए स्वास्थ्य सेवा संस्थान, मेडिकल कॉलेज और वेलनेस सेंटर लाएंगे, बल्कि युवाओं के लिए लाखों रोजगार के अवसर भी पैदा करेंगे।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौर ने कहा कि राजस्थान अपनी भौगोलिक स्थिति, आकर्षक नीतियों और कुशल मानव संसाधन के कारण स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में निवेश का एक प्रमुख डेस्टीनेशन बन गया है। प्रसव से लेकर पैलिएटिव देखभाल तक, जीवन के सभी चरणों में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है।

कार्यक्रम को भारत सरकार के आयुष सचिव वैद्य राजेश कोटेचा, राजस्थान सरकार के आयुर्वेद विभाग के प्रमुख शासन सचिव भवानी सिंह देथा, इंडो यूरोपियन सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल्स प्रोजेक्ट्स के अध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. विवेक गुप्ता, आंध्र प्रदेश मेडटेक जोन लिमिटेड के एमडी और संस्थापक सीईओ डॉ. जितेंद्र शर्मा, भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली संसाधन केंद्र के कार्यकारी निदेशक मेजर जनरल (प्रोफेसर) अतुल कोतवाल शामिल थे।

थप्पड़कांड : आरोपी नरेश मीणा गिरफ्तार, समर्थकों का बवाल

छुड़वाने के लिए समर्थकों ने दिनभर मचाया बवाल, बोले- पुलिस ने घरों में घुसकर मारा, गाड़ियां जलाई

खबरों की दुनिया

टोंक। राजस्थान के देवली-उनियारा में नरेश मीणा की गिरफ्तारी के बाद फिर बवाल शुरू हो गया है। मीणा के समर्थकों ने पुलिस की गाड़ियों को रोकने की कोशिश में चक्का-जाम कर दिया। देवली-उनियारा के समरावता गांव की सड़क पर भी टायर जलाए गए हैं।

लोगों को खदेड़ने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे हैं। उपद्रवियों ने भी पुलिस पर हल्का पथराव किया है। नरेश मीणा के समर्थकों ने टोंक से सवाई माधोपुर जाने वाले नेशनल हाईवे-116 पर भी अलीगढ़ कस्बे के पास जाम लगा दिया है। यहां कवरेज करने गए पत्रकारों पर प्रदर्शनकारियों ने हमला कर दिया और उनका कैमरा तोड़ दिया। दरअसल, देवली-उनियारा विधानसभा के समरावता (टोंक) गांव ने उपचुनाव में वोटिंग का बहिष्कार किया था। निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा भी ग्रामीणों के साथ धरने पर थे। इसी दौरान नरेश मीणा ने अधिकारियों पर जबरन मतदान करवाने का आरोप लगाया। एसडीएम अमित चौधरी ने उन्हें रोकने की कोशिश की तो उन्हें थप्पड़ मार दिया। इसके बाद ग्रामीणों ने वोटिंग का टाइम खत्म होने के बाद पोलिंग पार्टियों को भी रोकने की कोशिश की। गुस्साए लोगों ने एसपी विकास सांगवान की गाड़ी भी तोड़ दी। इस बीच पुलिस ने रात करीब 9.30 बजे नरेश मीणा को हिरासत में ले लिया। मीणा के समर्थकों को जैसे ही इसकी जानकारी मिली, वे और भड़क गए। सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण ने पुलिस जवानों को घेर लिया और मीणा को छुड़ाकर ले गए। पुलिस के लाठीचार्ज करने पर नरेश मीणा के समर्थक भड़क गए और पथराव-आगजनी कर दी। बवाल में 50 से ज्यादा लोग घायल हो गए। इनमें 10 पुलिसवाले भी शामिल हैं।

आरएएस एसोसिएशन का सीएम से मुलाकात के आश्वासन पर धरना स्थगित, पेन डाउन हड़ताल जारी

जयपुर। एसडीएम अमित चौधरी से हाथापाई के मामले में भले ही आरोपी नरेश मीणा को हिरासत में ले लिया गया हो, लेकिन आरएएस एसोसिएशन ने अभी भी पेन डाउन हड़ताल जारी रखने का एलान किया है। हालांकि, गुरुवार सुबह से एसोसिएशन ने सचिवालय में गांधी प्रतिमा के समक्ष जो धरना शुरू किया था, उसे मुख्यमंत्री से मुलाकात के आश्वासन के बाद स्थगित कर दिया है। राजस्थान में संभवतः यह पहला मामला होगा जब ऑफिसर कैडर को इस तरह से पेन डाउन हड़ताल करते हुए धरने पर बैठना पड़ा हो। एसोसिएशन ने साफ किया कि नरेश मीणा की गिरफ्तारी से कुछ नहीं होगा, आरोपी को चुनाव लड़ने से डिबार किया जाए।

गहलोत के पूर्व-ओएसडी लोकेश शर्मा की गिरफ्तारी से रोक हटी

जयपुर। राजस्थान के बहुचर्चित फोन टैपिंग केस में पूर्व सीएम अशोक गहलोत के ओएसडी रहे लोकेश शर्मा की गिरफ्तारी पर लगी रोक हट गई है। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच अब चाहे तो लोकेश शर्मा को गिरफ्तार कर सकती है। दरअसल, खुद लोकेश शर्मा ने दिल्ली हाईकोर्ट में फोन टैपिंग केस में दायर गिरफ्तारी से राहत देने और केस राजस्थान ट्रांसफर करने की याचिका वापस ले ली है। इसे लेकर गुरुवार को दिल्ली हाईकोर्ट में जस्टिस अनीश दयाल की बेंच में सुनवाई हुई और याचिका वापस लेने की अर्जी दी गई।

केंद्र का फैसला : मणिपुर के 6 इलाकों में AFSPA फिर से लागू

डेढ़ साल से जारी हिंसा में 200 से ज्यादा लोग जान गंवा चुके

इंफाल। मणिपुर के 5 जिलों के 6 थानों में फिर से आर्म्ड फोर्सेस स्पेशल प्रोटेक्शन एक्ट लागू कर दिया गया है। यह 31 मार्च 2025 तक प्रभावी रहेगा। गृह मंत्रालय ने गुरुवार को इसका आदेश जारी किया। मंत्रालय ने कहा कि इन इलाकों में बिगड़ती सुरक्षा स्थिति के चलते फैसला लिया गया। AFSPA लागू होने से सेना और अर्ध-सैनिक बल इन इलाकों में कभी भी किसी को भी पूछताछ के लिए हिरासत में ले सकते हैं। गृह मंत्रालय के आदेश में इम्फाल पश्चिम जिले का सेकमई और लमसांग, इम्फाल पूर्व जिले का लाम्लाई, जिरिबाम जिले का जिरिबाम, कांगपोकपी का लेइमाखोंग और बिष्णुपुर जिले का मोइरंग थाना शामिल है।

AFSPA में बिना वारंट गिरफ्तारी का अधिकार AFSPA को केवल अशांत क्षेत्रों में लागू किया जाता है। इन जगहों पर सुरक्षाबल बिना वारंट के किसी को भी गिरफ्तार कर सकते हैं। कई मामलों में बल प्रयोग भी हो सकता है। पूर्वोत्तर में सुरक्षाबलों की सहूलियत के लिए 11 सितंबर 1958 को यह कानून पास किया गया था। 1989 में जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद बढ़ने पर यहां भी 1990 में AFSPA लागू कर दिया गया। अशांत क्षेत्र कौन-कौन से होंगे, ये भी केंद्र सरकार ही तय करती है।

उपराष्ट्रपति ने पुष्कर में राष्ट्रीय जाट महा अधिवेशन में की शिरकत

मैं किसानों का सिपाही : धनखड़

खबरों की दुनिया

अजमेर। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ गुरुवार को तीर्थ नगरी पुष्कर आए। उन्होंने यहां आयोजित राष्ट्रीय जाट महाधिवेशन में शिरकत की है। इस मौके पर उन्होंने कहा कि जाटों की पहचान किसान से है। मुझे भी लोग किसान पुत्र से जानते हैं। जाट समाज दूध की तरह है, जिसके साथ मिल जाए उसे ताकत देता है। उन्होंने कहा कि देश में जाट समाज आदर्श बने। उपराष्ट्रपति ने यह भी कहा कि उन्हें किसानों की समस्याओं के बारे में जानकारी है। इनके समाधान के लिए लिए मैं किसानों का सिपाही हूं। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने जगतपिता ब्रह्माजी के दर्शन किए। इसके बाद जाट विश्राम स्थली मंदिर में पूजा अर्चना भी की। पुष्कर की जाट विश्रामस्थली में आयोजित राष्ट्रीय जाट महाधिवेशन में अपने संबोधन में उपराष्ट्रपति ने कहा कि किसान की समस्या देश के किसी भी कोने में हो, मेरे दिल और दिमाग में रहती है। किसान की समस्या का निराकरण देरी से नहीं होना चाहिए। धनखड़ ने कहा कि इस संसार में जिंदा रहने के लिए सबसे ज्यादा आवश्यकता अन्न की है और किसान अन्नदाता है, इसलिए किसानों की समस्या त्वरित निदान होना चाहिए।

राजस्थान में अगले सप्ताह से सर्दी तेज होने की संभावना, माउंट आबू में पारा 10 डिग्री

श्रीगंगानगर-हनुमानगढ़ में छाया घना कोहरा, विजिबिलिटी रही कम

खबरों की दुनिया

श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ में गुरुवार सुबह घना कोहरा छाया रहा।

जयपुर। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में दो-तीन दिन पहले हुई हल्की बर्फबारी का असर अब राजस्थान में दिखने लगा है। राज्य में तापमान में गिरावट आई है। दिन-रात में सर्दी बढ़ गई। गुरुवार सुबह श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ के कई हिस्सों में घना कोहरा छाया रहा। इससे विजिबिलिटी कम रही। मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर ने अगले सप्ताह की शुरुआत से राज्य में सर्दी बढ़ने की संभावना जताई है।

पिछले 24 घंटे के दौरान प्रदेश के सभी शहरों का अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज हुआ। सबसे ज्यादा तापमान बाड़मेर में 34.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। जोधपुर, जालोर और टोंक में भी बुधवार को अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस या उससे ज्यादा दर्ज हुआ। राजस्थान में रात में सर्दी बढ़ने लगी है। हिल स्टेशन माउंट आबू में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। सीकर में न्यूनतम तापमान गिरकर 13.5, पिलानी में 14.5, श्रीगंगानगर में 18.3, फतेहपुर में 11.8 और सिरोही में 11.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

जयपुर में बढ़ी ठंडक, तापमान 18 डिग्री आया

जयपुर में ठंडक बढ़ गई है। यहां न्यूनतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस तक आ गया। रात को हल्की ठंडी हवा चलने से लोगों ने गर्म कपड़े पहनना शुरू कर दिया है।

अगले सप्ताह से सर्दी तेज होने के आसार

मौसम विशेषज्ञों ने बताया- उत्तर भारत में गुरुवार से एक नया स्ट्रॉन्ग वेस्टर्न डिस्टर्बेंस एक्टिव हुआ है। इस सिस्टम का प्रभाव जम्मू-कश्मीर, लद्दाख के साथ हिमाचल प्रदेश के कई हिस्सों में देखने को मिलेगा। इस दौरान 15-16 नवंबर तक इन राज्यों में कई जगहों पर बारिश के साथ कहीं-कहीं अच्छी बर्फबारी होने की संभावना है। यह सिस्टम जब खत्म होगा तो 17-18 नवंबर से उत्तर से ठंडी हवा आनी शुरू होगी, जिससे राजस्थान के साथ-साथ पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों के तापमान में बड़ी गिरावट हो सकती है। सर्दी के तेवर तेज हो सकते हैं।

स्वात्वाधिकारीः प्रकाशक एवं मुदकः पंकज गर्ग द्वारा नमस्ते राजस्थान 14/71, प्रेम भवन, चितौडवालो की हवेली के पास, इंद्रा मार्केट के सामने, शाम की सब्जी मंडी रोड, भोपालगंज, भीलवाड़ा, राजस्थान 311001 से प्रकाशित एवं डीबी कॉर्प लि. दैनिक भास्कर प्रिंटिंग प्लांट, 12 इंद्रा सर्किल, गठिलाखेडा, शारदा ड्रिम कॉलोनी के पास चितौड रोड़, भीलवाड़ा राजस्थान से मुदित। संपादकः पंकज गर्ग, कार्यालय नंबरः 01482-455184, मों. 9214417111, 8005910698, E-MAIL:namasterajasthan11@gmail.com, nrnews100@gmail.com